

संपादकीय

कंगना के विवाद अर्जित हैं

कंगना रनोत के बयानों से जो भूंकप आते हैं, उनसे निकली स्याह चियाँ हिमाचल के वक्तव्यों का परिप्रेक्ष्य बदल देती हैं। अब जंतर मंतर आंदोलन की राख से हमारी सांसद मोहतरमा ने ऐसा बखेड़ा चुन लिया कि लोग ह्यामटरह्म में हमारे जनप्रतिनिधियों की भाषा की सड़ांध महसूस करने लगे हैं। एक पीढ़ी को ह्राजनरेशन गटरह्म का खिताब देने से पहले इस महिला की असंतुलित मानसिकता का अग्रि प्रेक्षपण बहस का विषय बन गया, तो सोचना यह होगा कि हम हिमाचली आखिर चुन कौन सा कबाड़ रहे हैं। मानसिक कबाड़ की हृद में हमारी सांसद के किस्से आखिर सारे देश में किस पक्ष की गवाही देते हैं। मंडी की सांसद एक बेहतर अदकारा होने के कारण कभी करोड़ों प्रशंसकों के दिलों में राज करती थीं, लेकिन अब नफरती टिप्पणियों के कारण मोहतरमा हाशिए पर दिखाई देती हैं। आखिर ऐसे सांसदों से हासिल क्या है। कम से कम यह मंडी की भाषा नहीं और न ही वोटर की भाषा है। संसदीय स्क्रीन पर कंगना की बादशाहत गलत कारणों से सामने आ रही है और जहां कई वर्षों के खिलाफ यह सांसद जैसे कोई स्वांग कर रही हो। बयानों की लंबी फेहरिस्त में बयान नहीं विवाद अर्जित हैं और मुकदमा यह नहीं कि भाजपा उन्हें सम्मानित कर रही हो। जो चंद नेता भटके हुए हैं, वहां आग बबूला कंगना का किरदार हमेशा कोई न कोई विवाद चुन लेता है। टिप्पणियां, इंटरव्यू और जनप्रतिनिधि होने के नाते उनके फर्ज की अदायगी का आलम यह कि इन्हें स्वयं सिद्धि की अमर्यादित भाषा रास आती है। बेशक राजनीतिक तौर पर एक पक्ष कंगना के साथ रहता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि वह दूसरे पक्ष पर नफरत का प्रहार करके प्रशंसीनय हो रही हैं। बयानों की एक ऐसी श्रृंखला मोहतरमा के गले से बंधी है जो लोकतांत्रिक छवि को गहरी चोट पहुंचा रही है।

चितन-मनन

इस तरह रामचरित मानस बना धर्म शास्त्र

करीब पांच सौ साल पहले तक कोई धर्म ग्रंथ हिंदी में नहीं था। सभी धर्म ग्रंथ संस्कृत में थे और चूँकि मध्य काल में शिक्षा दीक्षा का चलन काफी कम हो गया था, भक्ति भावना या धर्म श्रद्धा के लिए लोग संस्कृत विद्वानों की ओर ही ताकते थे। ऐसा कोई शास्त्र नहीं था, जो लोगों की अपनी भाषा में हो। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस लिख कर एक समाधान दिया था, लेकिन कठिनाई यह थी कि विद्वानों और धमाचार्यों ने इसे मान्यता नहीं दी। इसलिए धर्म भावना से भरे लोगों के मन में यह फांस अटकी रहती थी कि वे राम कथा से तो प्रेरणा ले रहे हैं लेकिन उनकी जानकारी का जो स्रोत है, वह धर्म शास्त्र नहीं है। क्योंकि धर्मशास्त्र तो संस्कृत में ही हो सकता है। पुरानी मान्यता है कि कोई शास्त्र अथवा ग्रंथ लोकप्रिय होने से स्वीकार्य नहीं हो जाता। स्वीकार्य वह रचना होती है जिसे विद्वतजनों ने मान्यता दी हो। तुलसीदास के मन में मानस की शुरुआत करते ही यह बात आई थी। उन्होंने हिंदी में ही रामकथा की रचना शुरू की। दो वर्ष सात महीने और छव्वीस दिन में स- 1576 में यह रचना पूरी हुई। कहते हैं कि रचना लेकर गोस्वामी जी काशी चले गए। वहां विश्वनाथ मंदिर में पहली बार इसका पाठ किया। वहां पंडितों ने रचना को सराहा तो सही लेकिन संस्कृत में नहीं होने की वजह से इसे काव्य की मान्यता नहीं दी। गोस्वामीजी इससे क्षुब्ध हो गए। मानस के संबंध में प्रचलित किंवदंतियों के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर में रखे जाने के बाद ग्रंथ पर सत्यम, शिवम सुंदरम के साथ भगवान शिव का नाम लिखा मिला। अनुश्रुति के अनुसार यह काशी विश्वनाथ की स्वीकृति थी। लेकिन इस कहानी को मनगढ़ंत माना गया है। रामचरितमानस के संबंध में इस तरह की कितनी ही कहानियां प्रचलित है जो उसकी महिमा को व्यक्त करती है। जैसे एक तो यही कि रामचरित मानस को चुराने के लिए चोर गए, वहां तुलसी की कुटिया में राम और लक्ष्मण पहरा देते हुए दिखाई दिए। इस तरह की तमाम किंवदंतियों के बावजूद मानस को शास्त्र की मान्यता नहीं मिली थी। उस समय के प्रसिद्ध रामभक्त संत नाभादास ने मानस के महत्व को समझा और इस ग्रंथ को लेकर विद्वानों के पास गए। स्वामी ज्ञानानंद, हरीराम तर्कवागीश, गदाधर भट्टाचार्य, विश्वेश्वर सरस्वती, माधव सरस्वती, नारायण तीर्थ आदि विद्वानों ने रामचरित मानस को देखा पढ़ा और सराहा, किंतु उसे शास्त्र की मान्यता देने में असमर्थता जताई। असमर्थता इसलिए कि इनमें से कोई भी विद्वान रामचरितमानस पर टिप्पणी करता तो यह उसकी अपनी राय होती। हरीराम तर्कवागीश ने राय दी कि प्रयाग पंथ के समय सभी संतजन और विद्वान एकत्रित होंगे। ग्रंथ को उनके सामने रखा जाए, सभी संत और धमाचार्य विचार करें फिर इस संबंध में सर्वसम्मति से इस विषय में कोई निर्णय लिया जाए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विश्व स्तनपान सप्ताह : हर माँ को मिले सहयोग, हर शिशु को मिले पोषण



सुनील कुमार महला

शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 1इ़ा7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सभी माताओं, परिवारों, स्वास्थ्यकर्मियों और नीति-निर्माताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा प्रत्येक शिशु को जीवन की सर्वोत्तम शुरुआत दिलाना है। इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ के साथ ही साथ वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन का व्यापक समर्थन

पश्चिम एशिया में फिर युद्ध का खतरा; क्या दुनिया एक और महाविनाश की ओर बढ़ रही है?



सोरभ वार्धाय

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां एक छोटी-सी चिंगारी पूरे क्षेत्र को भीषण युद्ध की आग में झोंक सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ता तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यदि दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष शुरू होता है तो इसका प्रभाव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी कीमत चुकाएगी।

हाल के दिनों में अमेरिका की ओर से दिए गए कड़े संकेत और ईरान की आक्रामक चेतावनियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यक हुआ तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। वहीं ईरान ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि उसके रणनीतिक ठिकानों पर हमला हुआ तो उसकी प्रतिक्रिया केवल अपने भूभाग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों और इजरायल को भी इसका सामना करना पड़ सकता है।

युद्ध की भाषा हमेशा विनाश की प्रस्तावना होती है। इतिहास बताता है कि जब राष्ट्र संवाद की बजाय सैन्य शक्ति पर भरोसा करने लगते हैं तो परिणाम केवल तबाही होता है। अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि ईरान लगातार यह कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण और ऊर्जा उत्पादन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है परमाणु कार्यक्रम

प्राप्त है। हाल फिलहाल, यहां यदि हम इस दिवस के इतिहास की बात करें तो पाठकों को बताता चलूँ कि इस सप्ताह को मनाने की शुरुआत 1992 में वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन (डब्ल्यूएबीए) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के साथ मिलकर की थी। उल्लेखनीय है कि अगस्त 1990 में दुनिया भर के नीति निर्माताओं द्वारा हस्ताक्षरित इन्नोसेंटी घोषणा पत्र की याद में ही हर साल अगस्त के पहले सप्ताह को चुना गया था।

इस साल (वर्ष 2026 में) इस दिवस की थीम-जीवन की सतत एवं स्वस्थ शुरुआत के लिए स्तनपान: जो प्रभावी है, उसे और सशक्त बनाएं। रखी गई है। वास्तव में, इस थीम का संदेश है कि माताओं को हर स्तर पर सहयोग मिले, ताकि वे अपने बच्चों को आसानी और सुरक्षित रूप से स्तनपान करा सकें। मतलब यह है कि सरकार, अस्पताल, कार्यस्थल, परिवार और समाज मिलकर एक ऐसा माहौल बनाएं, जिससे हर माँ बिना किसी कठिनाई के अपने शिशु को सुरक्षित और सफलतापूर्वक स्तनपान करा सके। जन्म के छह माह तक हर शिशु को केवल मां के दूध की आवश्यकता होती है। मां का दूध शिशु के लिए वरदान है। मां का

दूध शिशु को पोषण व अच्छे स्वास्थ्य देता है तथा शिशु मृत्यु दर और कुपोषण को कम करता है, इसलिए प्रत्येक शिशु के लिए मां का दूध बहुत ही जरूरी और महत्वपूर्ण है। जन्म के तुरंत बाद आने वाला माढ़ा पीला दूध लिक्विड गोल्ड कहलाता है। इसमें इतने ज्यादा इम्यून सेल्स होते हैं कि इसे बच्चे का पहला प्राकृतिक टीका (फर्स्ट वैक्सिन) माना जाता है। सच तो यह है कि स्तनपान से मां और बच्चे का डीएनए संवाद संभव हो पाता है।

मां के दूध में प्राकृतिक रूप से एंडोर्फिन और अन्य ऐसे तत्व होते हैं जो बच्चे को दर्द और तनाव से राहत दिलाते हैं। दुनिया भर में चिकित्सक जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करने की सलाह देते हैं तो इसके पीछे विशेष कारण हैं। कहना गलत नहीं होगा कि पहले 6 महीने तक केवल माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार माना जाता है।स्तनपान से शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा संक्रमण का खतरा कम होता है। इतना ही नहीं, स्वयं माँ के लिए भी स्तनपान लाभकारी है; यह प्रसवोत्तर स्वास्थ्य सुधार और कुछ रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। इतना ही नहीं, यह परिवार की आर्थिक बचत और

पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान देता है। दरअसल, माँ का दूध प्राकृतिक रूप से उपलब्ध होता है, इसलिए शिशु आहार खरीदने की आवश्यकता कम या नहीं पड़ती।और तो और बोलतल, निप्पल, स्टैरिलाइजर और अन्य सामान पर होने वाला खर्च बचता है। सच तो यह है कि स्तनपान करने वाले शिशु अपेक्षाकृत कम बीमार पड़ते हैं, जिससे दवाइयों और अस्पताल के खर्च में भी कमी आ सकती है।माँ का दूध बनाने के लिए किसी कारखाने, पैकेजिंग या लंबी दूरी के परिवहन की आवश्यकता नहीं होती। यह प्राकृतिक है।इससे प्लास्टिक, टिन और पैकेजिंग कचरा कम उत्पन्न होता है। साथ ही साथ, ऊर्जा, पानी और ईंधन की खपत कम होती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन भी घटता है।इसलिए स्तनपान एक प्राकृतिक, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ (सस्टेनेबल) विकल्प माना जाता है।

अंत में यही कहूंगा कि स्तनपान की सफलता एक मां के अकेले की यात्रा नहीं है; यह पूरे परिवार, कार्यस्थल और समाज के संयुक्त सहयोग का परिणाम है। यदि समाज सही जानकारी, सम्मान और सुविधाएं प्रदान करे, तो हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त आने वाली पीढ़ी का निर्माण कर सकते हैं।

पर अविश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को लगातार खराब किया है। आर्थिक प्रतिबंध, तेल निर्यात पर रोक, वित्तीय प्रतिबंध और सैन्य दबाव ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। अब यदि यह विवाद खुले युद्ध में बदलता है तो उसके परिणाम केवल सैन्य नहीं बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय भी होंगे।

आधुनिक युद्धों में केवल सैनिकों पर हमला नहीं किया जाता बल्कि विरोधी देश की आर्थिक टांग को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है। ऊर्जा प्रतिष्ठान किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आधार होते हैं। तेल रिफाइनरी, गैस संयंत्र, बिजलीघर और हाइड्रलाइन किसी राष्ट्र की जीवनरेखा हैं। यदि इन पर हमला होता है तो केवल ऊर्जा उत्पादन ही प्रभावित नहीं होता बल्कि उद्योग, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं, संचार व्यवस्था और आम नागरिकों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है।ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों में शामिल है। ऐसे में उसके ऊर्जा ढांचे पर किसी भी प्रकार का हमला वैश्विक तेल बाजार को तुरंत प्रभावित कर सकता है।

दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा का सबसे संवेदनशील बिंदु हॉर्मुज जलडमरूमध्य माना जाता है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है।यदि युद्ध की स्थिति में यह मार्ग बाधित होता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत जैसे देशों पर पड़ेगा, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करते हैं।पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, विमान ईंधन और बिजली उत्पादन की लागत बढ़े? से महंगाई तेज होगी। परिवहन से लेकर खाद्य पदार्थों तक हर क्षेत्र प्रभावित होगा। साथ के पश्चिम एशिया के लगभग सभी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। लाखों भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है।

भारत पहले भी पश्चिम एशिया के संकटों के दौरान अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े अभियान चला चुका है। इसलिए किसी भी नए संघर्ष की स्थिति में भारत को कूटनीतिक और मानवीय दोनों स्तरों पर तैयार रहना होगा। ईरान ने संकेत दिए हैं कि यदि उस पर हमला होता है तो वह केवल अपने क्षेत्र की रक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया में अमेरिका के अनेक सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। कतर, बररीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, जॉर्डन और अन्य क्षेत्रों में

दो टूक- हॉकी की जर्सी पर सियासत, मैदान में प्रदर्शन की चुनौती



हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्ले, परचट सिंह और वीरन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होता है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती। दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे हथ्थेलों का भगवाकरणह्म करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है।

भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में भी केसरिया का समानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सुफी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए किसी रंग को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों की राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या वास्तव में नीली जर्सी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बाधा बन रही थी? कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इस तकनीकी तर्क पर प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि कई वर्षों से नीले एस्ट्रो टर्फ पर प्रतिभागिताएं हो रही हैं और कई ऐसी गंभीर समस्या सामने नहीं आई। यदि वास्तव में हथ्यता का प्रश्न था तो क्या इस संबंध में अंतराष्ट्रीय हॉकी फाइनसंच का कोई वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध है? यदि हॉकी इंडिया इस विषय में विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे तो बहस अधिक तथ्यपरक हो सकती है।

इराक, लीबिया और सीरिया के उदाहरण बताते हैं कि युद्ध शुरू करना अपेक्षाकृत आसान होता है लेकिन शांति स्थापित करना बेहद कठिन।यदि उद्देश्य केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन रहा जिसे और राजनीतिक समाधान पीछे छूट जाए तो संघर्ष वर्षों तक चलता रहता है।भारत परंपरागत रूप से रणनीतिक स्वायत्तता और संतुलित विदेश नीति का कर्मस्थल रहा है।भारत के अमेरिका से भी मजबूत संबंध हैं और ईरान के साथ भी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा ऊर्जा संबंध महत्वपूर्ण रहे हैं।

ऐसी स्थिति में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में प्रभावी भूमिका निभाए।संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही इसलिए हुई थी विश्व युद्ध जैसी आपत्तियां दोबारा न हों। आज आवश्यकता है कि संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, यूरोपीय संघ, अरब लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंच सक्रिय होकर दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने की दिशा में ठोस पदों करें। यदि कूटनीतिक विफल होती रही तो दुनिया बार-बार युद्ध के मुहाने पर खड़ी दिखाई देगी। अमेरिका और ईरान दोनों शक्तिशाली राष्ट्र हैं। दोनों के पास सैन्य क्षमता है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी है। विश्व नेतृत्व का अर्थ केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि संयम भी होता है।यदि दोनों देश वार्ता की मेज पर लौटते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरी दुनिया राहत की सांस लेगी।पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं है; यह पूरी मानवता की चिंता का विषय है। ऊर्जा संकट, वैश्विक व्यापार, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और करोड़ों लोगों का भविष्य इस संघर्ष से प्रभावित हो सकता है। किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले यह याद रखना होगा कि युद्ध का अंत चाहे जिस रूप में हो, उसकी शुरुआत हमेशा मानवता की हार से होती है। दुनिया पहले ही अनेक संकटों से जूझ रही है। ऐसे समय में एक और व्यापक युद्ध किसी के हित में नहीं होगा। आज आवश्यकता शक्ति प्रदर्शन की नहीं, बल्कि धैर्य, संवाद, विश्वास और कूटनीतिक समाधान की है। यदि विश्व समुदाय समय रहते सक्रिय नहीं हुआ तो पश्चिम एशिया की यह आग सीमाओं को पार कर वैश्विक संकट का रूप ले सकती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध जीतने वाले भी अंततः शांति की तलाश में ही लौटते हैं। इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि शांति का रास्ता युद्ध शुरू होने से पहले ही खोज लिया जाए।

हालांकि आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है। प्रसाण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की दृश्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। पूरे विवाद का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि चर्चा खिलाड़ियों की तैयारी, रणनीति और पदक की संभावनाओं से हटकर जर्सी के रंग तक सीमित हो गई है। भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमें पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार कर चुकी हैं। टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीतकर चार दशक का सुखा समाप्त किया जबकि महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन कर विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अब जब विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट सामने हैं, तब खिलाड़ियों का ध्यान केवल अपने प्रदर्शन पर केंद्रित रहना चाहिए, किसी भी प्रकार का राजनीतिक या वैचारिक विवाद खिलाड़ियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव डाल सकता है।

बहरहाल, वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता। इतिहास बताता है कि महान टीमें अपने रंग से नहीं, अपने खेल से अमर होती हैं। खेल में पहचान रंग से नहीं, उपलब्धियों से बनती है। यदि भारतीय टीम केसरिया जर्सी पहनकर विश्व कप जीतती है तो यही जर्सी नई गौरवाण्था का प्रतीक बन जाएगी। और यदि प्रदर्शन निराशाजनक रहा तो रंग चाहे कोई भी हो, आलोचना फिर भी होगी। खेल का सबसे बड़ा धर्म राष्ट्र का सम्मान है। मैदान पर खिलाड़ी न किसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं और न किसी दल का; वे केवल भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए जर्सी का रंग चाहे नीला हो, केसरिया हो या कहीं और, देश की अपेक्षा केवल यही है कि भारतीय तिर्ंगा विश्व हॉकी के सर्वोच्च मंच पर सबसे ऊंचा लहराना चाहिए। वही किसी भी रंग की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

एक्सपायरी खाद्य पदार्थों के अवैध भण्डारण एवं बिना लाइसेंस खाद्य कारोबार करने पर आठ लाख रुपये का अर्थदण्ड

अमरोहा (सब का सपना):- खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, अमरोहा द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रभावी अनुपालन के क्रम में की गई कार्रवाई में एक्सपायरी खाद्य पदार्थों के अवैध भण्डारण एवं बिना खाद्य लाइसेंस खाद्य कारोबार करने के मामले में न्यायालय द्वारा संबंधित खाद्य कारोबारकर्ता पर कुल 8 लाख रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न खाद्य पदार्थों के अधोमानक पाए जाने के मामलों में भी न्यायालय द्वारा अर्थदण्ड लगाया गया है। कुल 15 वारों में 13.40 लाख रुपये का जुमाना किया गया है। सहायक आयुक्त (खाद्य)-कन्न विनय कुमार ने बताया कि दिनांक 23 अप्रैल 2026 को ग्राम ढकिया चमन, एनएच-9, थाना डिडौली में प्राप्त सूचना के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया



गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न कंपनियों के चिप्स, नमकीन, नूडल्स एवं काजू बर्फी बड़ी मात्रा में एक्सपायरी पाए गए। मौके पर नमकीन, चिप्स एवं नूडल्स के पैकेट खोलकर खाद्य पदार्थों को बड़े पारदर्शी पॉलीथीन एवं गते की पेटियों में भरा जा रहा था। निरीक्षण के समय खाद्य पदार्थों के क्रय-विक्रय एवं आपूर्ति से संबंधित कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया गया तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत आवश्यक खाद्य लाइसेंस

भी उपलब्ध नहीं कराया गया। उन्होंने बताया कि मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए कुल 2875.650 किलोग्राम खाद्य पदार्थ, जिनकी अनुमानित कीमत 7,86,365 रुपये थी, को अभिगृहीत कर एक गोदाम में सील कर दिया गया। इस प्रकरण में खाद्य सुरक्षा अधिकारी, अमरोहा द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा-63 एवं धारा-58 के अंतर्गत न्याय निर्णायक अधिकारी, अमरोहा के न्यायालय में

दिनांक 05 मई 2026 को वाद संख्या डी-202613380000519 दाबर किया गया था। न्यायालय द्वारा धारा-63 के अंतर्गत 6,00,000 रुपये तथा धारा-58 के अंतर्गत 2,00,000 रुपये, कुल 8,00,000 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य वाद में मिलक क्रीम अधोमानक पाए जाने पर आपूर्तिकर्ता राकेश कुमार पुत्र तेजपाल सिंह, निवासी ग्राम परतापुर, थाना बीबीनगर, जनपद बुलन्दशहर पर 2,00,000 रुपये का अर्थदण्ड लगाया गया। इसके अतिरिक्त सरसों का तेल, पनीर, मिश्रित दूध, मिठाई, मैदा, ड्राई फ्रूट्स सहित अन्य खाद्य पदार्थों के अधोमानक पाए जाने के मामलों में भी न्यायालय द्वारा अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। इन सभी मामलों को मिलाकर कुल 15 वारों में 13,40,000 रुपये का जुमाना लगाया गया है।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर जिलाधिकारी ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की

अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. निवित गौड़ ने कलेक्ट्रेट कॉलोनी स्थित शिव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रावण मास आस्था, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है तथा इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने बताया कि श्रावण मास एवं प्रथम सोमवार के दृष्टिगत जनपद के प्रमुख



शिवालयों में श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मंदिर परिसरों एवं संपर्क मार्गों

पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था कराई गई है। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित

किया गया है कि व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करते हुए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने दें। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस एवं प्रशासन द्वारा समुचित सुरक्षा व्यवस्था की गई है। प्रमुख शिवालयों एवं संवेदनशील स्थलों पर

पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के साथ यातायात प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण के प्रभावी प्रबंध किए गए हैं, जिससे श्रद्धालु सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण में पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक कर सकें।

जिला अस्पताल में विश्व स्तनपान सप्ताह का किया गया आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला अस्पताल के एम०सी०एच० विंग के सभागार कक्ष में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ० ए०के० भण्डारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ० चरन सिंह, चिकित्सा अधीक्षक, डॉ० राजकुमार, बालरोग विशेषज्ञ, डॉ० अवनीश कुमार, बालरोग विशेषज्ञ, गीता राजपूत, मैट्रन, शबनम यादव, ज्योति पैसल, ललित, नीलम चन्द्रा, शिवानी, नेहा नर्सिंग अधिकारी मौजूद रही। विश्व स्तनपान सप्ताह के आयोजन के

दौरान नवजात शिशुओं द्वारा माता के प्रथम स्तनपान से लेकर कम कम 06 माह तक स्तनपान कराये जाने पर बच्चों को होने वाले लाभ एवं भविष्य में होने वाली बीमारियों से बचाव के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। उन्होंने यह भी बताया कि माता का दूध बच्चों के लिये अमृत समान है, जो बच्चों को रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है। इसमें मौजूद एंटीबायोज बच्चों को संक्रमण, वायरस एवं एलर्जी से बचाता है एवं इसमें मौजूद खास तत्व और फैटी एसिड बच्चे के मस्तिष्क और



तंत्रिका तंत्र को मजबूत करते हैं तथा दस्त या कब्ज जैसी समस्याएं कम होती हैं। स्तनपान करने के वाले बच्चों का आई०व्यू० स्तर अन्य बच्चों की तुलना में बेहतर होता है। माता का दूध बच्चों को डायरिया, निमोनिया, कान के संक्रमण और पेट की बीमारियों से बचाता है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रसव के तुरन्त बाद आने वाला गाढ़ा पीला दूध बच्चों का पहला टीका कहलाता है। इसलिये प्रसव के 1 घण्टे के अन्दर बच्चों को स्तनपान अवश्य कराया जाना चाहिए। 06 माह तक बच्चों

को केवल माता का दूध दिया जाना चाहिए इस दौरान उसे पानी, शहद या घुटटी देने की भी आवश्यकता नहीं होती। चिकित्सालय में होने वाले प्रसवों उपरान्त माता को प्रथम स्तनपान हेतु प्रेरित करने एवं स्तनपान में कोई समस्या होने पर चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा माता को स्तनपान हेतु प्रशिक्षित करने में सहयोग प्रदान किया जाये। बच्चों को स्तनपान करने से बाल मृत्युदर में कमी होने और स्वास्थ्य देखभाल हेतु खर्चों में कमी होने के सम्बन्ध में भी विस्तृत चर्चा की गई है।

यातायात पुलिस की सतर्कता से मालिक को मिला खोया लाइसेंसी रिवाल्वर, राहत की ली सांस

बहजोड़/संभल(सब का सपना):- श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के दौरान रविवार रात इस्लामनगर चौराहा, बहजोड़ पर ड्यूटी पर इस्लामनगर पुलिस की सतर्कता और ईमानदारी का सराहनीय उदाहरण देखने को मिला। उप निरीक्षक यातायात सुरेश कुमार सिंह ने अपने साथ तैनात पुलिसकर्मियों की मदद से एक व्यक्ति का खोया हुआ लाइसेंसी रिवाल्वर सुरक्षित लौटाकर जिम्मेदारी का परिचय दिया। रविवार राति उप निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह की ड्यूटी इस्लामनगर चौराहा, बहजोड़ पर लगी हुई थी। उनके साथ कांस्टेबल लेखाराम, कांस्टेबल



सौरभ शर्मा तथा होमगार्ड मनोज कुमार भी मौजूद थे। इसी दौरान चौराहे पर एक व्यक्ति का निजी लाइसेंसी रिवाल्वर गिर गया, जिसे पुलिस टीम को सुरक्षित अवस्था में मिल गया। कुछ देर बाद रिवाल्वर

स्वामी अमन सागर पुत्र रंजन लाल सागर, निवासी वार्ड नंबर-3, नगर पंचायत रुदायन, घबराई हुई अवस्था में पुलिस के पास पहुंचे और बताया कि उनका लाइसेंसी रिवाल्वर वहीं चौराहे पर गिर गया है। उनकी

मानसिक स्थिति को देखते हुए उप निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने उन्हें बैठाकर पानी पिलाया और शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने उनके शस्त्र लाइसेंस का मिलान किया। सभी दस्तावेज सही पाए जाने पर आवश्यक सत्यापन के उपरांत लाइसेंसी रिवाल्वर सुरक्षित रूप से अमन सागर को सुपुर्द कर दिया गया। अपना खोया हुआ लाइसेंसी रिवाल्वर वापस मिलने पर अमन सागर ने यातायात पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए उनकी ईमानदारी, तत्परता और संवेदनशील कार्यशैली की सराहना की।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस पहुंची गांव-गांव, चलाया जागरूकता अभियान



संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत सोमवार को जनपद संभल में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में आयोजित बहू-बेटी सम्मेलन में भाग लेकर महिलाओं एवं

बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान महिला संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से चौपाल का आयोजन किया गया, जहां महिलाओं से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनी गईं और आवश्यक कानूनी एवं पुलिस सहायता की जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए



जागरूक रहने का आह्वान किया। वहीं मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत जनपद की एंटी रोमियो टीम ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाकर महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर वीमेन पावर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, सीएम हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-

102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्पलाइन-181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। साथ ही मोबाइल के इमरजेंसी कॉल एवं पैनिक बटन के उपयोग का डेमो भी दिखाया गया। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं और बालिकाओं से किसी भी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में बिना संकोच हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने और तत्काल पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

कावड़ यात्रा के दौरान नेशनल हाईवे 9 पर अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसे

हादसों में एक कांवड़िए की मौत, 12 अन्य घायल



गजरोला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कावड़ यात्रा के दौरान नेशनल हाईवे 9 पर बृजघाट से लेकर डिडौली तक अलग-अलग स्थानों पर तीन सड़क हादसे हो गये। इन सड़क हादसों में एक कांवड़िए की मौके पर मौत हो गई जबकि 12 अन्य कांवड़िए घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा हादसों में घायल सभी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और मृतक कांवड़िए के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि कावड़ यात्रा के पहला

हादसा गजरोला थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 9 पर गांव शहबाजपुर डोर के पास हुआ। यहां कांवड़ यात्रा के दौरान एक बाइक और टेम्पो की टक्कर में 11 कांवड़िए घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। घायलों में बाइक सवार अमरपाल (चकौनी, रामपुर), सोवित (जलालाबाद मोहनपुर), विनोद (जलालाबाद), शुभम (आदर्श कॉलोनी, मुरादाबाद), रवि (रामपुर) और



अरुण (गांधी नगर, मंडी धनौरा) शामिल हैं। वहीं, टेम्पो में सवार संगीता, प्रियंका, गोरी शर्मा (सभी पीतल नगरी, मुरादाबाद), अंशु, विकास (दोनों नयागांव, मुरादाबाद) और मोहित (सैदपुर, सैदनगरी) भी घायल हुए हैं। दूसरा हादसा गजरोला थाना क्षेत्र में मोगा होटल के सामने हुआ। संभल जिले के थाना असमोली के गांव गरवारा निवासी 28 वर्षीय अमित पुत्र भगवत शरण और सैदपुर निवासी रोहित एक ही बाइक से बृजघाट जल लेने जा रहे थे। रात करीब एक बजे सामने से

आ रही एक अन्य कांवड़ियों की बाइक से उनकी टक्कर हो गई। इस हादसे में अमित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रोहित की हालत गंभीर बनी हुई है। तीसरा हादसा डिडौली थाना क्षेत्र में हुआ, जहां बरेली निवासी एक कांवड़िए की बाइक दूसरे कांवड़िए की बाइक से टकरा गई, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने मृतक अमित के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने इन सभी दुर्घटनाओं के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मंडी धनौरा में विहिप व बजरंग दल ने संतों के अपमान को लेकर किया प्रदर्शन, सांसद पप्पू यादव का पुतला फूंक कर जताया रोष

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में सांसद पप्पू यादव द्वारा किए गए साधु-संतों के अपमान को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विरोध जताते हुए सांसद पप्पू यादव के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया, इस दौरान उन्होंने नगर की शेरपुर चुंगी पर इकट्ठा होकर सांसद पप्पू यादव का पुतला फूंकते हुए जमकर नारेबाजी की और शासन प्रशासन से इस मामले में सख्त कानूनी कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि इस दौरान बजरंग दल के प्रांत गौरा रक्षा प्रमुख हेमंत सारस्वत ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि संत समाज



सनातन, संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और राष्ट्रीय जीवन का आधार है उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद के बाहर संतों के वेश का उपवास उड़ाने से करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। सारस्वत में जनप्रतिनिधियों से अपनी गरिमा

बनाए रखने और सभी धर्म व संत समाज का सम्मान करने का आग्रह किया। विश्व हिंदू परिषद के विभाग से मंत्री विपिन शर्मा ने चेतावनी दी कि हिंदू समाज अपने संतों और सनातन परंपराओं का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं करेगा उन्होंने कहा कि

ऐसी घटनाएं सामाजिक व्यवहार को नुकसान पहुंचती है इसलिए आरोपी सांसद पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए। इसके अलावा प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं ने भगवा ध्वज लहराते हुए स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में संत समाज के सम्मान के साथ खिलवाड़ हुआ तो पूरे प्रदेश में व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस प्रदर्शन के दौरान मौके पर अशोक कुमार सैनी, कुशल चौधरी, शिवम, अभिषेक, दीपक यादव, कमल ठाकुर, पराग एवं योगेश देवल सहित संगठन के दर्जनों से अधिक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

6 अगस्त तक समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 7 अगस्त से कलक्ट्रेट पर पुनः शुरू होगा किसान आंदोलन : चौधरी धर्मवीर सिंह

अमरोहा/कलेक्ट्रेट (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः लगभग 11:30 बजे जनपद अमरोहा की विभिन्न किसान एवं जनहित समस्याओं को लेकर डिप्टी कलेक्टर, अमरोहा को लेकर मांगपत्र सौंपा। बता दें कि प्रतिनिधिमंडल को तत्प्रेत संगठन के वरिष्ठ नेता चौधरी धर्मवीर सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संगठन लंबे समय से किसानों एवं आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु प्रशासन को लगातार अवगत कराता रहा है, लेकिन अधिकांश समस्याएं आज भी लंबित



हैं। यदि प्रशासन द्वारा दिनांक 6 अगस्त तक मांगपत्र में उल्लिखित समस्याओं के समाधान हेतु प्रभावी एवं ठोस कार्रवाई प्रारंभ नहीं की गई, तो भारतीय किसान यूनियन (शंकर) दिनांक 7 अगस्त से अमरोहा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित धरना स्थल

पर पुनः धरना-प्रदर्शन एवं आंदोलन प्रारंभ करने के लिए बाध्य होगी। मांगपत्र में प्रमुख रूप से किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 50 लाख लागू करने, कैंसीसी पर ब्याज एवं बैंकिंग अनियमितताओं की जांच, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा किसानों के खातों में अनावश्यक ओवरड्र्यू एवं चार्ज लगाए जाने की जांच, जिला सहकारी बैंक अमरोहा के गठन, गन्ना मूल्य भुगतान, जर्जर सड़कों के पुनर्निर्माण, विद्युत व्यवस्था में सुधार, तिगरी धाम के विकास, ट्रीमा सेंटर,

सिंचाई, आवारा गोवंश की समस्या तथा अन्य जनहित एवं किसान हित के मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई। संगठन ने प्रशासन से यह भी अनुरोध किया है कि यदि 7 अगस्त से धरना प्रारंभ होता है तो संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को थाना स्थल पर भेजकर किसानों के सख्त सीधा संवाद कराया जाए तथा पेयजल, शौचालय एवं अन्य आवश्यक जनसुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर चौधरी विक्रम पवार डॉ. गौतम सिंह, अखव भाई, पप्पू, मौनू चौधरी तथा सत्यवीर सिंह सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

3 अगस्त को बैंक के निजीकरण के खिलाफ जंतर मंतर पर इक्कट्टे हुए पूरे देश के बैंककर्म



दिल्ली (सब का सपना):— अखिल भारतीय आईडीबीआई बैंक कर्मचारी एवं ऑफिस एसोसिएशन के बैनर तले आज दिल्ली के जंतर मंतर पर हजारों की संख्या में बैंक कर्मचारी देश के विभिन्न हिस्सों से आकर प्रदर्शन करने की जमा हुए। केंद्र सरकार द्वारा आई डी बी आई बैंक के निजीकरण के विरोध में देशभर से बड़ी संख्या में बैंक कर्मी दिल्ली के जंतर मंतर पर 3 अगस्त को धरना प्रदर्शन करने के लिए इक्कट्टे हुए।

केंद्र सरकार पिछले कुछ वर्षों से लगातार देश के प्रमुख सरकारी बैंक आई डी बी आई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया में जुटी हुई है। निजीकरण की प्रक्रिया विगत वित्तीय वर्ष में शुरू हुई थी जोकि बैंक कर्मियों की एकजुटता के कारण टल गई थी लेकिन अब सरकार फिर से निजीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है। बैंक पिछले पाँच वर्षों से लगातार सरकार को लाभांश जारी कर रहा है लेकिन सरकार फिर भी इस बैंक को



विदेशी कंपनियों को बेचने पर अड़ी हुई है। एकतरफ तो सरकार कहती है कि हम अपने देशवासियों से अनुरोध करते हैं कि स्वदेशी प्रोडक्ट अधिक प्रयोग करने चाहिए। जबकि सरकार देश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाली सरकारी बैंकों के निजीकरण पर तुली हुई है। सरकार के इस फैसले का विरोध करने के लिए 3 अगस्त 2026 को देशभर से बैंक कर्मी इक्कट्टे हुए। यह आयोजन अखिल भारतीय आईडीबी

आई बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के बैनर तले किया जा रहा है। देश भर से बैंक यूनियन के पदाधिकारी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। इस प्रदर्शन को AIBOC, AIBOA, AIBOEा तथा अन्य बैंक कर्मचारी संगठनों का समर्थन प्राप्त हुआ। सभी कर्मचारियों ने निजीकरण के विरोध में अपनी अपनी बात को मुखरता से रखा। सभी ने आने वाली 17 अमस्त को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की घोषणा की है।

पचास हजार रिश्वत लेते नरेगा ऑपरेटर को एंटी करप्शन ने किया गिरफ्तार

हथगांव/फतेहपुर (सब का सपना):— प्रयागराज की एंटी करषण टीम ने सोमवार को हथगांव विकास खंड मुख्यालय में तैनात सविदा कर्मी मनरेगा ऑपरेटर हाफिजुर रहमान को कथित रूप से ड़ु50 हजार की रिश्वत लेते हुए री हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद ब्लॉक परिसर में हड़कंप मच गया और कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। जानकारी के अनुसार, एंटी करषण टीम के सदस्य करीब एक घंटे पहले से सिविल ड़ेस में ब्लॉक परिसर में मौजूद थे। आरोप है कि सुरजीपुर ग्राम पंचायत के प्रधान संतोष कुमार यादव ने विकास कार्यों के भुगतान के संबंध में ऑपरेटर को ड़ु50 हजार दिए। इसके



बाद जैसे ही उन्होंने बाहर निकलकर टीम को पूर्व निर्धारित संकेत दिया, एंटी करषण टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ऑपरेटर को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से ड़ु50 हजार नकद बरामद किए गए। इसके बाद टीम उसे अपने साथ पृछताछ के लिए ले गई। ग्राम प्रधान

संतोष कुमार यादव का आरोप है कि उनकी ग्राम पंचायत में कराए गए विकास कार्यों का भुगतान लंबे समय से लंबित था। भुगतान जारी कराने के एवज में उनसे ड़ु50 हजार की रिश्वत मांगी गई थी। उन्होंने बताया कि इसकी शिकायत दो दिन पहले एंटी करषण संगठन से की गई थी,

जिसके आधार पर ट्रैप की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान एडीओ पंचायत डॉ. अनुपम शर्मा, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मनभावन शास्त्री सहित कई कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। वहीं खंड विकास अधिकारी राहुल मिश्रा उस समय ब्लॉक मुख्यालय में मौजूद नहीं थे। घटना के बाद ब्लॉक परिसर में तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। हालांकि, मामले में किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एंटी करषण टीम मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।

72 घंटे में सिर्फ 9 घंटे बिजली, आक्रोशित जनता ने घेरा बहुआ पावर हाउस

गुलाबी गैंग अध्यक्ष हेमलता पटेल के नेतृत्व में प्रदर्शन, रण ने 1 घंटे में आपूर्ति बहाल करने का दिया आश्वासन

बहुआ/फतेहपुर (सब का सपना):— भीषण गर्मी के बीच बिजली कटौती से त्रस्त क्षेत्रवासियों का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा। नगर पंचायत बहुआ स्थित पावर हाउस पर सैकड़ों उपभोक्ताओं ने प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। आरोप है कि बीते 72 घंटों में मात्र 9 घंटे ही बिजली आपूर्ति हुई है। गुलाबी गैंग लोकतांत्रिक की राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमलता पटेल के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में ग्रामीणों और किसानों ने श्रष्ट बिजली व्यवस्था के खिलाफ हुंकार भरी। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि आधे घंटे बिजली देकर 33 हजार लाइन में फॉल्ट का बहाना बनाया जाता है और फिर 6-6 घंटे की कटौती कर दी जाती है।



चिलचिलाती धूप में बच्चे, बुजुर्ग बेहाल हैं और किसानों की फसलें सूख रही हैं। हेमलता पटेल ने मौके से ही अधीक्षण अभियंता (SE) को फोन कर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यदि व्यवस्था में तत्काल सुधार नहीं हुआ तो फतेहपुर स्थित जिला बिजली मुख्यालय का घेराव

किया जाएगा। जनता के आक्रोश को देखते हुए अधीक्षण अभियंता ने समस्या की गंभीरता स्वीकार की। उन्होंने बताया कि दरवेशवाद लाइन पर अत्यधिक लोड के कारण कटौती हो रही है। इसे कम करने के लिए राधानगर बिजली केंद्र से कुछ फीडरों को संबद्ध करने की प्रक्रिया शुरू कर

दी गई है। रण ने हेमलता पटेल को आश्वासन दिया कि दरवेशवाद लाइन के जर्जर तारों को शीघ्र बदला जाएगा और 1 घंटे के भीतर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। साथ ही खए को निर्देश दिए कि वे बहुआ उपकेंद्र पर ही इट्यूटी करें और व्यवस्था लाइनमैनों के भरोसे न छोड़ें। उल्लेखनीय है कि बहुआ उपकेंद्र से लौली, बड़ा गांव, थरवाई, पथरी, दतौली, बहुआ डाउन, शाह, फखरीली और मुतौर समेत 8 मुख्य फीडर संचालित होते हैं। इनके माध्यम से बहुआ कस्बा सहित आसपास के 56 से 60 गांवों के करीब 20 हजार उपभोक्ता जुड़े हैं, जो वर्तमान में बिजली संकट से जूझ रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल से मिले अपना दल (एस) जिलाध्यक्ष राजकुमार भुर्जी

बुलन्दशहर (सब का सपना):— अपना दल (एस) बुलन्दशहर के जिलाध्यक्ष राजकुमार भुर्जी ने सोमवार को लखनऊ स्थित विधानसभा कार्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष पटेल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संगठन की मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा बुलंदशहर की



विभिन्न जनसमस्याओं एवं विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में बलरामपुर के संतोष गुप्ता भोजवाल (शिवाजी) भी उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष राजकुमार भुर्जी ने कहा कि मंत्री आशीष पटेल के मार्गदर्शन में संगठन को और मजबूत करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

पीडीए कलश यात्रा में गूंजा 2027 का सियासी संदेश, अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का लिया संकल्प

अनूपशहर (सब का सपना):— सावन के प्रथम सोमवार पर लोधेश्वर महादेव मंदिर के प्रथम जन्मोत्सव के अवसर पर सपा नेता प्रवेन्द्र लोधी के नेतृत्व में भव्य पीडीए कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ सपा जिलाध्यक्ष मतलूब अली एवं विधानसभा अध्यक्ष रामकिशोर लोधी ने किया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने भाग लेते हुए वर्ष 2027 में अखिलेश



यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प

लिया। कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जहां श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की गई। समापन पर मंदिर परिसर में हवन-पूजन और विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। प्रवेन्द्र लोधी ने कहा कि यह यात्रा सामाजिक न्याय, भाईचारे और पीडीए की एकजुटता का संदेश देने के साथ समाजवादी पार्टी के जनसंपर्क अभियान को नई मजबूती प्रदान करे।

नवनियुक्त ईओ का हिंदू जागृति मंच ने किया स्वागत, विकास का दिलाया भरोसा

संभल (सब का सपना):— नगर पालिका परिषद संभल के नवनियुक्त अधिशासी अधिकारी आदित्य प्रकाश का हिंदू जागृति मंच के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शाल ओढ़ाकर, रामनामी पटका पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान उन्हें मिष्ठान खिलाकर शुभकामनाएं भी दी गईं। स्वागत समारोह के दौरान हिंदू जागृति मंच के प्रदेश महामंत्री सुबोध कुमार गुप्ता ने जल निगम द्वारा सड़कों की खुदाई के बाद उन्हें समय पर ठीक न किए जाने की समस्या उठाई। वहीं सत्यवीर सिंह पाल ने नगर पालिका परिषद संभल को प्रथम श्रेणी से तृतीय श्रेणी में शामिल किए जाने पर नाराजगी जताते हुए इसे पुनः प्रथम श्रेणी में लाने के लिए प्रभावी



प्रयास करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में समाज का पूरा सहयोग मिलेगा। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी आदित्य प्रकाश ने कहा कि नगर पालिका परिषद संभल के माध्यम से शहर के विकास, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण तथा 68 तीर्थों एवं 19 कुूपों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए पूरी

प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर पालिका का समस्त स्टाफ 24 घंटे संवेदनशीलता के साथ नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहेगा। साथ ही सामाजिक संगठनों एवं समाजसेवियों से भी नगर की समस्याओं की जानकारी देने का आह्वान किया, ताकि उनका त्वरित

समाधान कराया जा सके। हिंदू जागृति मंच के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त अधिशासी अधिकारी ईमानदारी, सेवा, परिश्रम और समर्पण की भावना के साथ संभल के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकतंत्र रक्षक सेनानी परीक्षित कुमार मोंगिया ने की, जबकि संचालन हिंदू जागृति मंच के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर हिंदू जागृति पहलम मंच की आशा गुता, विनोद कुमार अग्रवाल, अरविंद शंकर शुक्ला, सुभाष चंद्र शर्मा, परीक्षित कुमार मोंगिया, अजय कुमार शर्मा, सत्यवीर सिंह सहित हिंदू जागृति मंच के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनपद की मंडियों पर डीएम की सख्ती, सीसीटीवी से होगी रियल टाइम निगरानी

बहजोई/संभल(सब का सपना):— जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में कृषि उत्पादन मंडी समितियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद की मंडी समितियों में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, साफ-सफाई, राजस्व प्राप्ति, मंडी शुल्क वसूली तथा अवस्थापना विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मंडी परिसरों में साफ-सफाई, आंतरिक मार्गों एवं अन्य विकास कार्यों के फोटोग्राफ और वीडियो प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से कृषि उत्पादन मंडी समिति बबराला में दुकानों की स्थिति, मंडी शुल्क वसूली, मंडी आय, सुपर मार्केट की दुकानों, इलेक्ट्रॉनिक कांेंटों, कैटैन, साफ-सफाई और आंतरिक मार्गों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई



सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सौरभ कुमार पाण्डेय को निर्देशित किया कि जनपद की सभी मंडी समितियों से संबंधित अवस्थापना एवं विकास प्रस्तावों का संकलन कर मंडी परिषद के निदेशक को भेजा जाए। साथ ही मंडी परिसरों में साफ-सफाई, जल निकासी, देनदारियों एवं अन्य व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मंडी समितियों में वाहनों के प्रवेश को रैंडम जांच

कराने के निर्देश देते हुए कहा कि बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की प्रगति अगली समीक्षा बैठक में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए। बहजोई मंडी समिति में साफ-सफाई एवं अन्य अवस्थापना कार्यों की निगरानी के लिए डिप्टी कलेक्टर रामानुज को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा मंडी परिसर में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों को लगातार संचालित रखने और उनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने विशेष रूप से

बहजोई मंडी समिति के दोनों प्रवेश द्वारों पर लगे कैमरों को हर समय क्रियाशील रखने तथा उनकी लाइव एक्सेस जिला परियोजना निगरानी इकाई (डीपीएमयू) को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देशों का त्वरित अनुपालन करते हुए जनपद की बहजोई, चंदौसी, संभल और बबराला मंडी समितियों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की लाइव एक्सेस डीपीएमयू को उपलब्ध करा दी गई है। इससे मंडी परिसरों की रियल टाइम निगरानी, आवश्यक समन्वय और उच्च अधिकारियों को समयबद्ध सूचना उपलब्ध कराना संभव होगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सौरभ कुमार पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर रामानुज, डिप्टी कलेक्टर नीरज द्विवेदी, जनपद के सभी मंडी सचिव तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कॉमनवेल्थ में भारतीय जूडो टीम का जलवा,चार पदकों से बढ़ाया देश का गौरव

बहजोई/संभल (सब का सपना):— कॉमनवेल्थ खेल 2026 में भारतीय जूडो खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से एसबीएम जूडो अकादमी, बहजोई सहित पूरे जूडो परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल है। भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। भारतीय टीम की ओर से अस्मिता डे ने महिला 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक, हर्ष सिंह ने पुरुष 60 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक, यामिनी मौयं ने महिला 57 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक तथा उन्नति शर्मा ने महिला 63 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। एसबीएम जूडो अकादमी के



मुख्य प्रशिक्षक एकांश गुप्ता (ब्लैक बेल्ट, राष्ट्रीय जूडो खिलाड़ी एवं उत्तर प्रदेश के राज्यपाल द्वारा सम्मानित) ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय जूडो खिलाड़ियों की यह सफलता देशभर के युवा खिलाड़ियों के लिए

प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि इन उपलब्धियों से अकादमी के खिलाड़ियों में भी नया उत्साह पैदा हुआ है और वे भविष्य में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ और अधिक मेहनत करेंगे। एकांश गुप्ता ने विशेष रूप से स्वर्ण

पदक विजेता अस्मिता डे की सराहना करते हुए बताया कि वह उत्तर प्रदेश पुलिस में स्पोर्ट्स कोटे से नियुक्त हैं तथा उत्तर प्रदेश में आयोजित कई राज्य स्तरीय चयन ट्रायल और प्रतियोगिताओं में एसबीएम जूडो अकादमी के खिलाड़ियों के साथ मुकाबला कर चुकी हैं। उनकी सफलता उत्तर प्रदेश के जूडो खिलाड़ियों के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। अंत में एसबीएम जूडो अकादमी एवं समस्त जूडो परिवार ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और भारतीय जूडो टीम को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इसी तरह देश का नाम रोशन करने की कामना की।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी पर भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के आरोप, मुख्यमंत्री से जांच की मांग

संभल (सब का सपना):— नगर पालिका परिषद संभल के नामित सभासद सख्यद शान अली ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर जून-1 में तैनात खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामजीत के खिलाफ विभागीय जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि संबंधित खाद्य सुरक्षा अधिकारी व्यापारियों से सेवा शुल्क के नाम पर अवैध वसूली करता है। आरोप है कि जो व्यापारी रुपये नहीं देते, उनके खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए भर लिए जाते



नामित सभासद सख्यद शान अली

हैं और बाद में कार्रवाई से बचाने के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूली जाती है। सभासद ने यह भी आरोप

लगाया है कि अधिकारी की मिलिभगत से क्षेत्र में नकली दूध का कारोबार फल-फूल रहा है, जिससे

अहमदगढ़ में भीषण सड़क हादसा, पेड़ से टकराई तेज रफ्तार कार, दो की मौत

बुलंदशहर (सब का सपना):— अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्टेट हाईवे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। बुलंदशहर के अहमदगढ़ थाना क्षेत्र में स्टेट हाईवे पर गांव रानीवाला के पास एक तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़



से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो

गई और उसमें सवार दोनों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही अहमदगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार डिबाई से बुलंदशहर की ओर आ रही थी, तभी यह हादसा हुआ। फिलहाल पुलिस मृतकों की शिनाख्त कराने में जुटी है। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच भी की जा रही है।

भाकियू ने पूर्ति विभाग पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप, एसडीएम को झापन सौंप आंदोलन की दी चेतावनी

नगीना /बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने पूर्ति विभाग में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर सोमवार को एसडीएम प्रिंस कुमार को झापन सौंपा। यूनियन ने किसानों और राशन डीलरों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन शुरू किया जाएगा। भाकियू के तहसील अध्यक्ष गुरमेज सिंह उर्फ सोनू के नेतृत्व में सौंप गए झापन में नगीना तहसील के पूर्ति कार्यालय में कथित भ्रष्टाचार और अवैध कमीशनखोरी पर रोक लगाने की मांग



की गई। साथ ही राशन डीलरों के उत्पीड़न की किसी वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराने, बिना वैध शिकायत के डीलरों के खिलाफ अनावश्यक जांच पर रोक लगाने तथा दोषी अधिकारियों के विरुद्ध

विभागीय स्तर पर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई गई। झापन में सरकार द्वारा पात्र परिवारों को प्रति यूनिट 5 किलोग्राम खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करने, नए राशन कार्ड बनवाने के नाम पर होने वाली

अवैध वसूली पर रोक लगाने तथा जल जीवन मिशन (हर घर जल) योजना में कथित अनियमितताओं की जांच कर उन्हें दूर कराने की भी मांग की गई।

भाकियू नेताओं ने कहा कि यदि किसानों और आम जनता से जुड़ी इन समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

झापन सौंपने वालों में तहसील अध्यक्ष गुरमेज सिंह उर्फ सोनू के अलावा राजीव चौहान, महेश राजपूत, दयाराम सिंह, तेजपाल सिंह, दीपक कुमार, राजीव प्रधान, सादिक सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नूरपुर सीट पर भाजपा में टिकट की दावेदारी तेज, प्रियंकर राणा समेत कई नाम चर्चा में

बिजनौर (सब का सपना):- आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 को लेकर जनपद की नूरपुर विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी में टिकट की दावेदारी को लेकर राजनीतिक सरगमियां तेज हो गई हैं। क्षेत्र में संभावित प्रत्याशियों को लेकर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। राजनीतिक चर्चाओं के बीच धामपुर से भाजपा विधायक अशोक राणा के पुत्र प्रियंकर राणा का नाम भी प्रमुख दावेदारों में सामने आ रहा

है। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, नूरपुर विधानसभा सीट से भाजपा टिकट की दौड़ में पूर्व विधायक लोकेन्द्र सिंह चौहान के बड़े भाई सी.पी. सिंह, आकांक्षा चौहान, डॉ. ब्रिंद्र कुमार तथा प्रियंकर राणा के नाम प्रमुख रूप से चर्चा में हैं। सूत्रों का कहना है कि प्रियंकर राणा पिछले कुछ समय से संगठनात्मक गतिविधियों और युवाओं के बीच सक्रिय नजर आ रहे हैं, जिसके चलते उनका नाम भी संभावित

उम्मीदवारों की सूची में शामिल माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि पार्टी नेतृत्व उन्हें नूरपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाता है तो चुनावी मुकाबले में भाजपा को लाभ मिल सकता है। हालांकि, टिकट को लेकर अभी तक भारतीय जनता पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। प्रत्याशी के चयन का अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय एवं

प्रदेश नेतृत्व ही करेगा।

फिलहाल नूरपुर विधानसभा क्षेत्र में संभावित उम्मीदवारों को लेकर राजनीतिक अटकलों का बाजार गर्म है। अब सभी की निगाहें भाजपा द्वारा घोषित किए जाने वाले आधिकारिक प्रत्याशी पर टिकी हैं। टिकट किसे मिलेगा और चुनावी समीकरण किस दिशा में जाएंगे, इसका फैसला आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में भक्तों ने किया जलाभिषेक

तीन परिवारों ने अलग अलग समय में रूद्राभिषेक किया

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- सावन के पहले सोमवार को प्राचीन सिद्धपीठ बड़ा मंदिर मुक्तेश्वरनाथ समेत क्षेत्र के सभी शिवालयों में शिवभक्त श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया और भोले बाबा को बेलपत्री व पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह से ही सभी मंदिरों व शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। सिद्धपीठ मंदिर मुक्तेश्वर नाथ के पुजारी पंडित डॉ विपिन चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि सावन के पहले सोमवार को मंदिर मुक्तेश्वर तड़के से दोपहर दो बजे तक जल चढ़ाने



वालों का तांता लगा रहा सिद्ध पीठ में सोमवार को रामदयाल गैस वाले, अमित बंसल व मनोज अग्रवाल ने अपने अलग अलग समय में अपनाने परिवारों के साथ भगवान शिव का विधि विधान से रूद्राभिषेक पंडित

विपिन चंद्र त्रिपाठी जी ने पूर्ण कराया। वहीं प्रशासन ने कांवड़ यात्रा के मुख्य मार्गों को वनवे कर दिया था और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया था। नगीना - बिजनौर रेलवे फाटक 471 के सामने चितौड़गढ़

पुलिस चौकी के चौराहे पर पुलिस बैरिकेड लगाए गए हैं और बड़े व भारी वाहनों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया था। बिजनौर जाने व आने वाली रोडवेज बसों को रेलवे फाटक के उस पार से संचालित करने की अनुमति दी गई है। रोडवेज बस स्टेशन तक कोई भी बस आ जा नहीं रही है बिजनौर जाने आने वाली प्राइवेट टैक्सियों का संचालन भी फाटक पार से ही हो रहा है। ई रिक्शाओं के लिए भी रूट निर्धारित कर नगर में कांवड़ मार्ग पूर्णतह दिए गए हैं।

16 वर्षीय किशोरी के अपहरण का आरोप, आठ नामजद समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र की एक महिला ने अपनी 16 वर्षीय पुत्री के अपहरण का आरोप लगाते हुए आठ नामजद तथा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ नगीना पुलिस में तहरीर दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला अफसाना द्वारा दी गई तहरीर के

अनुसार, 12 जुलाई को उसकी 16 वर्षीय पुत्री को फोन कर घर से बुलाया गया। आरोप है कि ग्राम गढ़ी निवासी विकास, कैलाश, बबीता, विपिन, साजन, आशीष, कशिश, सतीश तथा उनके अन्य साथियों ने किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। परिजनों ने संभावित स्थानों पर उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल

सका। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि 25 जुलाई को एक मोबाइल नंबर से फोन कर रिपोर्ट दर्ज कराने पर किशोरी की हत्या करने की धमकी दी गई। महिला का कहना है कि धमकी से भयभीत होने के कारण वह तत्काल थाने नहीं पहुंच सकी। उसने यह भी बताया कि उसकी पुत्री अपने साथ 10 हजार रुपये नकद और एक

मोबाइल फोन भी ले गई है। नगीना पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर आठ नामजद एवं अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि किशोरी की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सीओ राजेश सोलंकी ने चेक की कांवड़ यात्रा मार्गों पर पुलिस ड्यूटी

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस उपाधीक्षक राजेश सिंह ने नगीना पुलिस सर्किल क्षेत्र के सभी कांवड़ यात्रा मार्गों पर लगाई गई पुलिस की ड्यूटी को चेक किया तथा ड्यूटी पर तैनात उपनिरीक्षकों व सिपाहियों को निर्देश दिए कि पूरी मुस्तैदी व सतर्कता के साथ ड्यूटी करें और बिना बताए अपने ड्यूटी प्वाइंट को न छोड़ें। पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश सिंह सोलंकी ने सोमवार की तड़के ही नगीना क्षेत्रान्तर्गत कांवड़ यात्रा ड्यूटी में तैनात पुलिस बल का निरीक्षण किया



गया। इस दौरान कांवड़ मार्ग पर आवागमन कर रहे

शिवभक्तों/कांवड़ियों से सुरक्षा एवं पुलिस व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई।

निरीक्षण के उपरांत ड्यूटी पर तैनात समस्त पुलिसकर्मियों को सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने तथा कांवड़ियों को कोई भी परेशानी न होने देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।सीओ ने शिवभक्त कांवड़ियों को रोककर उनसे पूछा कि आवागमन या सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उन्हें कोई शिकायत तो नहीं है।

न्यायालय गेट पर मारपीट का आरोप,मुकदमा दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- न्यायालय परिसर के गेट पर एक व्यक्ति के साथ मारपीट और धमकी देने के चलते पीड़ित ने थाने में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कानूनी कारवाही शुरू

कर दी है। तहसील क्षेत्र के ग्राम गनौरा, थाना कोतवाली देहात निवासी उसमान पुत्र मोहम्मद यूसुफ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 29 जुलाई को दोपहर करीब तीन बजे न्यायालय नगीना में एक मुकदमे की तारीख पर आया था।उसके साथ रजा पुत्र

मोहम्मद यूसुफ और जुबैर पुत्र मोहम्मद जफर भी मौजूद थे। आरोप है कि न्यायालय गेट के पास गांव की ही शहाना पत्नी समद और समद पुत्र मोहम्मद उमर ने उसके साथ लात घूंसे से मारपीट की।साथ ही अभद्रता करते हुए गाली गलौज की तथा खूटे मुकदमे

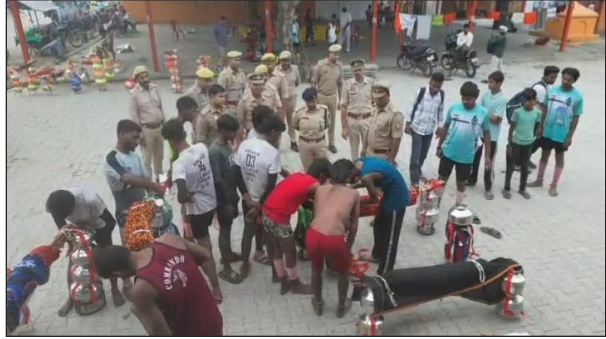
में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी।शोर सुनकर साथ आए लोगों ने बीच बचाव कराया। नगीना पुलिस ने घटना की जांच के बाद सोमवार को पीड़ित की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर कानूनी कारवाही शुरू कर दी है।

पहले सावन सोमवार पर मोटा महादेव में उमड़ा आस्था का सैलाब, ड्रोन से रखी गई सुरक्षा पर नजर



बिजनौर (सब का सपना):- सावन के पहले सोमवार को जनपद के प्रसिद्ध मोटा महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए कांवड़ यात्रियों और शिवभक्त श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हरिद्वार से गंगाजल लेकर आने वाले कांवड़ियों ने सबसे पहले मोटा महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि

की कामना की। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। क्षेत्राधिकारी नजीबाबाद एवं कांवड़ यात्रा प्रभारी राकेश कुमार ने मोटा महादेव मंदिर सहित थाना मंडावली, थाना नजीबाबाद और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की ड्रोन कैमरे से लगातार निगरानी की। भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था



पर पल-पल नजर रखी गई। मोटा महादेव मंदिर परिसर में कांवड़ यात्रियों के लिए पेयजल, चिकित्सा, बैरिकेडिंग तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात रहा, जिससे श्रद्धालुओं ने सुरक्षित वातावरण

में दर्शन और जलाभिषेक किया। वहीं, ग्राम इनायतपुर स्थित शिव मंदिर में भी शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ को गंगाजल अर्पित कर फूल, बेलपत्र चढ़ाए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूरे क्षेत्र में "हर-हर महादेव" और "बम-बम भोले" के जयघोष से भक्तिमय माहौल बना रहा।

कांवड़ मार्ग पर नियमों की उड़ रही धज्जियां, पुलिस की मौजूदगी में ओवरलोड बाइकें दौड़ीं, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल



धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- सावन माह में हरिद्वार से गंगाजल लेकर हर वर्ष लाखों कांवड़िये जनपद बिजनौर से होकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं। ऐसे में कांवड़ यात्रा को सकुशल और सुरक्षित संपन्न कराना पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होती है। यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की छोटी लापरवाही बड़ा हादसा बन सकती है। इसी को देखते हुए बिजनौर पुलिस प्रशासन ने व्यापक ट्रैफिक प्लान लागू किया है। जनपद को 3 सुपर जोन, 6 जोन, 21 सेक्टर और 60 सब-सेक्टर में विभाजित किया गया है। इसके अलावा 84 क्रिटिकल प्वाइंट चिह्नित किए गए हैं तथा 172 मोबाइल पार्टियां लगातार कांवड़ मार्ग की निगरानी कर रही हैं। पूरे मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी नजर रखी जा रही है। हालांकि धामपुर के दुर्गा विहार स्थित स्वागत द्वार के पास की तस्वीरें इन दावों पर सवाल खड़े करती



दिखाई दीं। मौके पर पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद कांवड़ मार्ग पर कई बाइक चालक तीन से चार सवारियां बैठाकर गुजरते कैमरे में कैद हुए। वहीं ड्यूटी पर तैनात कुछ अधिकारी मोबाइल फोन पर व्यस्त नजर आए। जब इस संबंध में मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस अधिकारी से सवाल किया गया तो उन्होंने ऐसी किसी घटना से इनकार किया। लेकिन कैमरे में उसी दौरान ओवरलोड बाइक गुजरने का दृश्य रिकॉर्ड हो गया, जिससे मौके की

वास्तविक स्थिति सामने आती दिखाई दी। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने कहा कि कांवड़ यात्रा की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूरे जनपद में विशेष ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई है और सभी अधिकारी एवं पुलिस बल लगातार निगरानी में लगे हुए हैं ताकि यात्रा निर्विघ्न रूप से संपन्न कराई जा सके। वहीं 100 बेड अस्पताल धामपुर के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रदीप ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक जोखिम

ओवरलोड बाइक सवारों को होता है। क्षमता से अधिक सवारी बैठाने पर चालक का संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे गंभीर हादसे हो सकते हैं। ऐसे मामलों में सिर की चोट (हेड इंजरी) जानलेवा साबित हो सकती है या व्यक्ति स्थायी रूप से दिव्यांग भी हो सकता है। एक ओर जहां पुलिस प्रशासन कांवड़ यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए विशेष व्यवस्थाओं का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कांवड़ मार्ग पर ओवरलोड बाइक और यातायात नियमों की अनदेखी सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रही है। प्रदेश सरकार भी कांवड़ यात्रा के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के स्पष्ट निर्देश दे चुकी है। ऐसे में आवश्यकता है कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए, ताकि कांवड़ यात्रियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

श्रद्धा के साथ सेवा का संदेश, दादी को कांवड़ में बैठाकर निकले शिवभक्त, नजीबाबाद में हुआ भव्य स्वागत



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- सावन की पावन कांवड़ यात्रा के बीच श्रद्धा, सेवा और संस्कार का अनोखा उदाहरण देखने को मिला। बृजघाट से करीब 15 किलोमीटर दूर ग्राम आलमनगर निवासी कांवड़िया सोनू सिंह और उनके साथियों ने अपनी वृद्ध दादी को कांवड़ में बैठाकर हरिद्वार की हर की पैड़ी से मां गंगा के दर्शन

कराए। इसके बाद गंगाजल भरकर वे नजीबाबाद मार्ग से अपने गांव वापस लौट रहे हैं। सोमवार सुबह करीब 9 बजे यह अनोखी कांवड़ नजीबाबाद पहुंची तो दादी मां को कांवड़ में विराजमान देखकर नगरवासी भावुक हो उठे। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने कांवड़ियों का फूल-मालाओं और पेयजल से स्वागत किया तथा उनके सेवा भाव



की सराहना की। कांवड़िया सोनू सिंह ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य केवल गंगाजल लाना नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश देना भी है कि हर व्यक्ति को अपने माता-पिता और बुजुर्गों की सेवा, सम्मान और आदर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही सच्ची भक्ति और सबसे बड़ा धर्म है। इस अनोखी कांवड़ यात्रा ने लोगों

का ध्यान आकर्षित किया और पूरे क्षेत्र में इसकी चर्चा होने लगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि धर्म के साथ यदि सेवा और संस्कार जुड़े हों, तभी पूजा-पाठ का वास्तविक महत्व है।

सोनू सिंह और उनके साथियों की यह पहल युवाओं के लिए प्रेरणा बनकर सामने आई है।

हाईकोर्ट के आदेश पर मंदिर मार्ग की दीवार हटाई, गेट को लेकर विवाद बरकरार

नंदपुर कला में मंदिर मार्ग विवाद ने फिर पकड़ा तूल, एक पक्ष गेट हटाने तो दूसरा बचाने पर अड़ा

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- ग्राम नंदपुर कला स्थित दुर्गा माता-शिव मंदिर के रास्ते को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में सोमवार को एसडीएम प्रिंस कुमार के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मंदिर मार्ग में बनी करीब 12 फीट लंबी दीवार हटवाकर रास्ता खुलवाया। हालांकि दीवार हटने के बाद भी विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। एक पक्ष मंदिर मार्ग पर लगे गेट को हटाने की मांग पर अड़ा है, जबकि दूसरा पक्ष गेट को यथावत रखने की बात कह रहा है।



जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के बड़ापुर-नगीना मार्ग स्थित ग्राम हकीकतपुर मुथेरा उर्फ नंदपुर कला में सड़क किनारे दुर्गा माता एवं शिव मंदिर स्थित है। मंदिर के समीप श्रीफन पत्नी सादिक की सड़क किनारे दो दुकानें एवं ऊपर मकान बना हुआ है। श्रीफन का

कहना है कि उसका आवागमन मंदिर को भेजी। बताया गया कि 27 जुलाई 2026 को हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ता को वैध रास्ता उपलब्ध कराया जाए तथा रास्ते में यदि कोई अतिक्रमण हो तो उसे हटाया जाए। आदेश के अनुपालन में एसडीएम प्रिंस कुमार, तहसीलदार, राजस्व टीम और पुलिस बल मौके पर पहुंचे तथा करीब 12 फीट लंबी दीवार हटवाकर रास्ता खुलवाया। एसडीएम प्रिंस कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता श्रीफन का रास्ता बड़ापुर मार्ग की ओर है और वही उपयोग में है। मंदिर के रास्ते में उसका कोई वैध रास्ता नहीं पाया गया। इस संबंध में श्रीफन का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। वहीं मंदिर समिति के अध्यक्ष नौबहार सिंह ने कहा कि श्रीफन के बैनामे में मंदिर मार्ग से किसी प्रकार रास्ते का उल्लेख नहीं है। उनका आरोप है कि तथ्यों को छिपाकर अधिकारियों को गुमराह किया गया। उन्होंने बताया कि मंदिर समिति ने भी 22 जुलाई 2026 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की है और समिति न्यायालय के अंतिम निर्णय का सम्मान करेगी। मंदिर समिति का कहना है कि दीवार हटाने के बावजूद श्रीफन अब मंदिर मार्ग पर लगे गेट को हटाने की मांग कर रही हैं, जबकि समिति गेट को सुरक्षित रखने के पक्ष में है। मामले को लेकर दोनों पक्ष अपने-अपने दावों पर कायम हैं और अब सभी की नजर न्यायालय के अंतिम फैसले पर टिकी हुई है।

फतेहपुर में किसान के खेत से रातों-रात मिट्टी खनन का आरोप, डीएम से लगाई न्याय की गुहार

फतेहपुर (सब का सपना):— कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रेवाड़ीपुर गांव निवासी एक किसान ने अपनी भूमिधरी कृषि भूमि से रात में जबनर मिट्टी खनन किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। पीड़ित ने मामले में आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है रेवाड़ीपुर निवासी संदीप सिंह पुत्र स्वर्गीय शिवबहादुर सिंह ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उनकी पैतृक भूमिधरी भूमि, गाटा संख्या- 397ग से देर रात अवैध रूप से मिट्टी खोद ली गई आरोप है कि जब उन्होंने 2 अगस्त 2026 की सुबह गांव के करन सिंह और उनके पिता नारायण सिंह से इस संबंध में पूछताछ की तो दोनों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर आमादा हो गए और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि जानकारी करने पर पता चला कि हर्ष सिंह भदौरिया निवासी सिकरोही (थाना कल्याणपुर), आयुष पटेल पुत्र पूरन पटेल निवासी कुंवरपुर (थाना मलवां) तथा सूरज सिंह पुत्र प्रेम सिंह निवासी बेहटा (थाना मलवां) द्वारा अवैध खनन कराया गया शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि उक्त लोग कल्याणपुर और मलवां थाना क्षेत्रों में ग्राम समाज एवं अन्य भूमि से लगातार अवैध खनन कर रहे हैं। पीड़ित किसान ने बताया कि वह शिकायत लेकर कल्याणपुर थाने भी गया लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई स्वयं को गरीब किसान बताते हुए उसने डीएम और पुलिस अधीक्षक से आरोपितों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई कराने तथा अपनी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

शिक्षामित्रों की समस्याओं के समाधान को लेकर CM से लगाई गुहार

मूल विद्यालय वापसी, TET में अवसर, 62 वर्ष सेवा समेत छः सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

फतेहपुर (सब का सपना):— उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में पिछले 26 वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षामित्रों ने अपनी लंबित समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के बैनर तले कलक्ट्रेट पहुंचे शिक्षामित्रों ने जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर शासन स्तर से स्थायी समाधान की मांग की। जिलाध्यक्ष सुशील तिवारी ने कहा कि शासन की ओर से शिक्षामित्रों के हित में लगातार आदेश जारी हो रहे हैं, लेकिन जिले में उनका क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा। 3 जनवरी 2025 को शिक्षामित्रों की मूल विद्यालय वापसी तथा महिला शिक्षामित्रों को पति के निवास स्थान की ग्राम पंचायत में स्थानांतरण का शासनादेश जारी हुआ था। लखनऊ और बाराबंकी में इसका अनुपालन



हो चुका है, जबकि फतेहपुर के शिक्षामित्रों को 80 से 90 किमी दूर जाकर ड्यूटी करनी पड़ रही है। जिलाध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश संघ से निर्देश मिल चुका है। यदि जिला स्तरीय मूल वापसी की समस्या, जिसके लिए अब तक 4 बार शासनादेश जारी हो चुके हैं, का समाधान नहीं हुआ तो 25 अगस्त के बाद शिक्षामित्र संगठन अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन

करेगा। इसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। जिला महामंत्री रविन्द्र पटेल ने बताया कि ज्ञापन में 6 प्रमुख मांगें रखी गई हैं। 6 सूत्रीय मांगों में मूल विद्यालय वापसी, ग्राम सभा वापसी एवं पति के निवास पर वापसी सुनिश्चित की जाए। विभागीय विशेष TET परीक्षा में शिक्षामित्रों को शामिल किया जाए। TET पास 60 हजार शिक्षामित्रों को सुपरटेड से छूट देकर सीधे

समायोजित किया जाए। सेवा अवधि 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष की जाए। 12 माह का मानदेय दिया जाए। वर्तमान में 11 माह का मानदेय मिल रहा है।14 उछ और मेडिकल लीव का प्रावधान किया जाए। आकस्मिक निधन पर परिवार को आर्थिक सहायता और एक सदस्य को योग्यता अनुसार नौकरी दी जाए। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री से अपील है कि संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर शिक्षामित्रों को राहत दिलाई जाए। इस अवसर पर ओम पटेल, अखिलेश गुप्ता, विशाल शुक्ला, राजेन्द्र यादव, अमित भदौरिया, सत्येंद्र सिंह, कोमल सिंह, अनिल श्रीवास्तव, नीलम देवी, मंजू सिंह, कांति सविता देवी, महजबी, छोटेलाल गौतम सहित सैकड़ों शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

स्कूल में बच्चों का हुआ टीकाकरण, फल वितरित कर नियमित उपस्थिति के लिए किया प्रेरित



अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):— श्रावण मास के प्रथम सोमवार को चांदपुर स्थित प्रसिद्ध श्री गृद्धेश्वर अखण्ड धाम शिव मंदिर में आस्था का जन्मसंलाब उमड़ पड़ा। सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं और दिनभर लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को

देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। पूरे मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र की निगरानी 17 सीसीटीवी कैमरों तथा चार ड्रोन कैमरों से की गई। वहीं पुलिस प्रशासन और स्वयंसेवकों ने पूरे समय व्यवस्था संभाले रखी, जिससे दर्शन और जलाभिषेक शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मंदिर सैकड़ों वर्ष पुराना है। सावन माह में फतेहपुर,



कानपुर सहित आसपास के कई जिलों से हजारों श्रद्धालु यहां भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। प्रथम सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा कई गुना अधिक रही। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल, बैरिकेडिंग तथा वाहनों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई थी। मेले में प्रसाद, पूजा सामग्री एवं घरेलू उपयोग की

वस्तुओं की दुकानें भी सुव्यवस्थित ढंग से सजाई गईं, जहां श्रद्धालुओं ने जमकर खरीदारी की। दिनभर "हर-हर महादेव" और "बोल बम" के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय बना रहा। मंदिर प्रबंधन समिति एवं प्रशासन ने बताया कि श्रद्धालुओं के सहयोग और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के चलते पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

समझौते के दबाव में युवक को चौकी में पीटने का आरोप, पीड़ित अस्पताल में भर्ती

फतेहपुर (सब का सपना):— जिले में पुलिस चौकी पर समझौते के दबाव में मारपीट के आरोपों से हड़कंध मच गया है। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि समझौते के लिए बुलाए गए युवक को पुलिस चौकी के लॉकअप में बंद कर पिटाई की गई और जबरन कागजों पर हस्ताक्षर कराए गए। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के उरदौली गांव का है। पीड़ित सत्यप्रकाश पुत्र रामबहादुर (37) की पत्नी सरला ने बताया कि शनिवार को राधानगर थाना क्षेत्र की जयराम नगर चौकी से दो गाड़ उनके घर आए और साहब से बात करने



के नाम पर पति को बुलाया। दर्पित जब चौकी पहुंचे तो पुलिस ने सत्यप्रकाश को कमरे में बुला लिया। पीड़ित का आरोप है कि कमरे में पहले से धमकी देने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आठ नामजद समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है।

गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। ससपुर के मोहल्ला सराय कला में घर में घुसकर फायरिंग और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आठ नामजद समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है।

कि अंदर जाते ही कमरा बंद कर पुलिस ने गाली-गलौज करते हुए लात-घुसों से मारपीट की। आरोप है कि जमीन खाली न करने पर संगीन धाराओं में जेल भेजने की धमकी दी गई और जबरन समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कराए गए। पीड़ित की

पीड़िता गुलफिशा पत्नी मोहम्मद जावेद का आरोप है कि 2 अगस्त की रात करीब 11:45 बजे आरोपी अवैध हथियार और लोहे की सरिया लेकर उनके घर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज करते हुए परिवार को जान से मारने की धमकी दी और दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग की। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के

लोग मौके पर पहुंचने लगे, जिसके बाद आरोपी फरार हो गए। घटना की सूचना तत्काल यूपी-112 को दी गई। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। शिकायतकर्ता ने फायरिंग का खोखा बरामद होने और घटना का वीडियो उपलब्ध होने का दावा किया है, जिसे जांच का महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है।<

लोग मौके पर पहुंचने लगे, जिसके बाद आरोपी फरार हो गए। घटना की सूचना तत्काल यूपी-112 को दी गई। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। शिकायतकर्ता ने फायरिंग का खोखा बरामद होने और घटना का वीडियो उपलब्ध होने का दावा किया है, जिसे जांच का महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है।<

फतेहपुर

असोथर सहकारी समिति में खाद वितरण को लेकर हंगामा

पुलिस न मिलने से रुका खाद वितरण, किसानों के विरोध पर बंदी यूरिया



एआरओ नरोत्तम सिंह और डीडी राम जतन को दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले में खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है तथा किसी भी

दुकानदार द्वारा ओवररेटिंग या अनियमितता किए जाने पर शिकायत मिलने पर जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद किसानों को

वीके ट्रेडर्स और रानू ट्रेडर्स से लगभग 30-30 बोरी यूरिया किसानों को 300 रुपये प्रति बोरी की दर से उपलब्ध कराई गई। बाद में स्थानीय पुलिस के समिति पहुंचने पर सहकारी समिति से भी खाद वितरण शुरू करा दिया गया। मौके पर मौजूद किसानों के आदर्श ट्रेडर्स के संचालक ने अधिकारियों के कहने के बावजूद खाद नहीं दी और उन्हें दुकान से लौटा दिया, जबकि अन्य दुकानदारों ने किसानों को खाद उपलब्ध कराई। भाकियू (अराजनैतिक) के ब्लॉक

महामंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने चेतावनी दी कि यदि किसानों से यूरिया खाद की ओवररेटिंग की गई या उन्हें खाद के लिए परेशान किया गया तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों और दौषी दुकानदारों की होगी। मौके पर किसान निर्मल सिंह चौहान, सोनू सिंह, पपू सिंह, महेश रावत, अशोक तिवारी, रमोद दुबे, रामदत्त, कपूर सिंह, बच्चा सिंह, कुलदीप निषाद, रामदुलारी, पवन वर्मा, शिवभवन, रामरती, सिंह, नरपत सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

एमआरएमए 2.0 के अंतर्गत फतेहपुर में जिला हितधारक परामर्श बैठक सम्पन्न

जिला रेशम विकास योजना (DSDP) तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल



फतेहपुर (सब का सपना):— केंद्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित मेरा रेशम मेरा अभिमान (MRMA) 2.0 अभियान के अंतर्गत *एरी अनुसंधान प्रसार केन्द्र (EREC), फतेहपुर द्वारा चिल्ड्रेन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फतेहपुर में जिला हितधारक परामर्श बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य फतेहपुर जनपद के लिए 5 वर्षीय जिला रेशम विकास योजना तैयार करने हेतु विभिन्न विभागों, वित्तीय संस्थानों, किसान प्रतिनिधियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, एफपीओ तथा अन्य हितधारकों से सुझाव प्राप्त करना था। बैठक में कल्पना गुला, सहायक निदेशक रेशम, फतेहपुर ने विभागीय योजनाओं एवं रेशम विकास की संभावनाओं पर प्रकाश

डाला। एस. के. रावत सहायक निदेशक रेशम, कानपुर तथा सहायक निदेशक रेशम, झाँसी ने तकनीकी मार्गदर्शन एवं क्षेत्रीय अनुभव साझा किए। रामजतन मिश्रा उप निदेशक कृषि, फतेहपुर ने कृषि एवं रेशम के समन्वित विकास पर अपने विचार रखे। प्रसून चंद्रा जिला विकास प्रबंधक, फतेहपुर ने वित्तीय समावेशन एवं संस्थागत सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया, जबकि अरुण कुमार (PDS), उपायुक्त स्व-रोजगार ने रेशम आधारित उद्यमिता एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी। डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जिज्ञासु वैज्ञानिक-डी एवं प्रभारी, एरी अनुसंधान प्रसार केन्द्र, फतेहपुर ने एमआरएमए 2.0 का विस्तृत परिचय देते हुए फतेहपुर की प्रस्तावित 5 वर्षीय जिला रेशम विकास योजना



की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि बैठक में प्राप्त सभी सुझावों एवं अनुशंसाओं को योजना निर्माण में समुचित स्थान दिया जाएगा, जिससे जनपद में एरी रेशम उत्पादन, रोजगार सृजन तथा किसानों की आय में वृद्धि को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम का स्वागत एवं संचालन विमल कुमार सक्सेना वरिष्ठ तकनीकी सहायक, एरी अनुसंधान प्रसार केन्द्र, फतेहपुर द्वारा किया गया। बैठक में किसान भाई-बहनों, महिला स्वयं सहायता समूहों, एफपीओ, विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं अन्य हितधारकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर संजय श्रीवास्तव, प्रबंधक, चिल्ड्रेन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल,

फतेहपुर का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने जिला हितधारक परामर्श बैठक के सफल आयोजन हेतु विद्यालय परिसर उपलब्ध कराया तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

उनके सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, सहयोगी विभागों, माँडिया प्रतिनिधियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए फतेहपुर को एरी रेशम उत्पादन का अग्रणी जिला बनाने के लिए सभी हितधारकों से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

स्कूल में बच्चों का हुआ टीकाकरण, फल वितरित कर नियमित उपस्थिति के लिए किया प्रेरित

जहानाबाद/फतेहपुर (सब का सपना):— अमौली ब्लॉक के नईनी मोड़ स्थित शिशुपाल उत्तममेोरियल हाई स्कूल में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से बच्चों का टीकाकरण किया गया। एएनएम पुर्णिमा देवी एवं आशा बहू रेनु देवी ने विद्यालय पहुंचकर बच्चों को टीटी एवं डीपीटी के टीके लगाए। टीकाकरण के बाद विद्यालय के



प्रधानाचार्य अंकित शुक्ला ने बच्चों को फल वितरित किए तथा उन्हें

नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि समय-समय पर होने वाला टीकाकरण बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक एस.एम. उत्तम सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हाईवे पर रखे पत्थर से हादसा, मोटरसाइकिल सवार गंभीर घायल

फतेहपुर (सब का सपना):— खागा थाना क्षेत्र में लापरवाही एक बार फिर भारी पड़ी। मंजिल गांव चौकी के ठीक सामने नेशनल हाईवे पर रखा एक पत्थर दो लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ गया। मिली जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग खागा की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान मंजिल गांव चौकी के सामने सड़क पर रखे पत्थर से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े।स्थानीय लोगों के मुताबिक हादसे में एक युवक की हालत गंभीर है जबकि दूसरा भी घायल हुआ है। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस दोनों को तुरंत फतेहपुर जिला अस्पताल

बड़ा सवाल यह है कि आखिर नेशनल हाईवे जैसी व्यस्त सड़क पर पत्थर क्यों रखा गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर यह पत्थर वहां न होता तो शायद यह दुर्घटना टल जाती। चाहे यह पत्थर सुरक्षा के लिए रखा गया हो या किसी और वजह से, लेकिन इस तरह बीच सड़क पर बाधा बनाना सीधे तौर पर जानलेवा है। यह लापरवाही चाहे किसी भी विभाग की, अक्षम्य है।



ले गईं। हादसे के दौरान घायलों के हाथ में रखी दो नाली बंदूक भी क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने बंदूक को कब्जे में लेकर उसे चौकी में सुरक्षित

रखवा दिया है। अभी घायलों की पहचान और पूरे मामले की आधिकारिक जानकारी नहीं मिल सकी है। इस हादसे के बाद सबसे

विवादित भूमि पर कब्जे और बिक्री की आशंका, एसपी से लगाई कार्रवाई की गुहार

न्यायालय में मुकदमा लंबित होने के बावजूद भूमिकाया पर कब्जे का प्रयास करने का आरोप

फतेहपुर (सब का सपना):— जिले के हथामा थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी विजय कुमार ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर अपनी जमीन पर अवैध कब्जा और बिक्री किए जाने की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग की है। विजय कुमार का आरोप है कि उनके पिता ने वर्ष 1980 में इंदरीसपुर गांव स्थित गाटा संख्या-305 का एक भूखंड क्रय किया था। उनका कहना है कि उक्त भूमि को लेकर मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसके बावजूद एक व्यक्ति भूमि पर कब्जा करने और उसे अन्य लोगों को बेचने का प्रयास कर रहा है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर दबाव बनाया जा रहा है, जिससे किसी भी समय विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि न्यायालय के अंतिम निर्णय तक संबंधित थाना पुलिस को भूमि पर किसी प्रकार का अवैध कब्जा या विक्रय रोकने के निर्देश दिए जाएं तथा मामले में एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। फिलहाल पुलिस की ओर से शिकायत पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

CCTV फुटेज और तकनीकी निगरानी से शाहदरा पुलिस ने सुलझाया सनसनीखेज हत्याकांड

एजेंसी नई दिल्ली। शाहदरा जिले के जगतपुरी इलाके में प्रॉपर्टी विवाद के चलते पत्नी की हत्या करने वाले पति को शाहदरा पुलिस ने मथुरा रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से 12.75 लाख रुपये नकद और वारदात के बाद फरार होने में इस्तेमाल की गई एंक्टिवा स्कूटी बरामद की गई है। दिल्ली पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान ज्वाइंट सीपी अजीत सिंगला ने बताया कि 30 जुलाई को जगतपुरी थाने में पीसीआर कॉल मिली थी। कॉल करने वाले गौरव ने बताया कि उसके पिता ने उसकी मां कोमल सिंह की हत्या कर दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घर के ड्राइंग रूम में महिला का शव खून से लथपथ हालत में बरामद किया। सेंटर टेबल पर खून से सनी कैंची भी मिली, जिसे हत्या



में इस्तेमाल किया गया हथियार माना जा रहा है। जांच में सामने आया कि घटना वाले दिन सुबह बेटे गौरव और बेटे गौरिका के घर से निकलने से पहले पति-पत्नी के बीच जगतपुरी स्थित संपत्ति के रजिस्ट्रेशन को लेकर विवाद हुआ था। शाम तक मां का फोन नहीं उठने पर गौरव रात करीब 9:15 बजे घर पहुंचा, जहां उसने मां को मृत अवस्था में पाया और पुलिस

को सूचना दी। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा की निगरानी में एसीपी विवेक विहार महेंद्र सिंह और इंस्पेक्टर सुरेंद्र शर्मा एसएचओ इंस्पेक्टर अभिषेक और स्पेशल स्टाफ प्रभावी इंस्पेक्टर आशीष के नेतृत्व में जगतपुरी थाना और शाहदरा स्पेशल



स्टाफ की करीब 10 टीमों का गठन किया गया। टीमों ने जांच तकनीकी निगरानी और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। सीसीटीवी फुटेज में बच्चों के घर से निकलने के बाद केवल पति-पत्नी के घर में मौजूद होने की पुष्टि हुई। फुटेज में महिला की चीख सुनाई देने के साथ आरोपी को हथियार बैग में छिपाकर घर से निकलते हुए भी

देखा गया। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी फरार होने से पहले अपने बैंक खातों से करीब सात लाख रुपये निकाल चुका था। तकनीकी निगरानी के जरिए पुलिस ने आरोपी की लोकेशन दिल्ली से गोरखपुर तक ट्रैक की। नेपाल भागने की योजना बदलकर वह मथुरा पहुंच गया, लेकिन पुलिस ने मथुरा रेलवे स्टेशन के पास उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी कमल सिंह ने स्वीकार किया कि उसने लंबे समय से चल रहे प्रॉपर्टी विवाद के कारण पत्नी की हत्या की साजिश रची थी। उसने पहले से हत्या का हथियार खरीदा था और वारदात के बाद उसे छिपाने लगाकर सबूत मिटाने की कोशिश की। आरोपी ने परिवार की संपत्तियों पर कब्जा करने की मंशा भी कबूल की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 12.75 लाख रुपये नकद और फरारी में इस्तेमाल की गई एंक्टिवा स्कूटी बरामद की है। मामले में फॉरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई जारी है। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा का कहना है कि वैज्ञानिक जांच, तकनीकी साक्ष्यों और लगातार निगरानी के चलते आरोपी को फरार होने से पहले गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे इस सनसनीखेज हत्याकांड का शीघ्र खुलासा हो सका।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का महिला आयोग अध्यक्ष ने किया निरीक्षण



बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान ने डायट कैंपस स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। विद्यालय की वार्डन सीमा शर्मा एवं स्टाफ ने अध्यक्ष का फूलमाला व बुके देकर स्वागत किया। छात्राओं ने तिलक लगाकर मिठाई खिलाई। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने विद्यालय के कक्षा-कक्ष, छात्रावास, रसोई, शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। वार्डन ने छात्राओं की पढ़ाई, भोजन, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी दी। निरीक्षण में सभी सुविधाएं उत्तम पाई गईं। अध्यक्ष ने छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं भी जानीं और बेहतर शिक्षा के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के बाद प्रकाशों द्वारा जनपद में हाल की घटनाओं के संबंध में सवाल पूछे जाने पर अध्यक्ष ने कहा कि महिला सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। आयोग प्रत्येक मामले को गंभीरता से ले रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में जनपद में चारु कश्यप की नाले में गिरने से मौत, काली नदी में शव मिलने, रेलवे स्टेशन के पास अज्ञात शव मिलने तथा धमेड़ा क्षेत्र की युवती के साथ दुष्कर्म के प्रयास जैसे मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं को लेकर अभिभावकों में रोष है। अध्यक्ष ने कहा कि आयोग ऐसी घटनाओं पर जिला प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय कर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। पीड़ितों को न्याय दिलाया आयोग का दायित्व है। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाएगी।

कांवड़ यात्रा और स्वतंत्रता दिवस को लेकर दिल्ली-हरियाणा पुलिस असल्ट



एजेंसी नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा और स्वतंत्रता दिवस-2026 के महेनजर दिल्ली पुलिस और हरियाणा पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में 3 अगस्त को बाहरी उत्तरी जिला पुलिस के डीसीपी कार्यालय में इंटर-स्टेट कोऑर्डिनेशन मीटिंग आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आउटर नॉर्थ के डीसीपी श. शोषित डी. सक्सेना ने की। बैठक में दिल्ली पुलिस और सोनीपत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इसमें डीसीपी ईस्ट (कुड़ली), डीसीपी/हेडक्वार्टर सोनीपत, एडिशनल डीसीपी, एसडीपीओ और एसएचओ शामिल रहे। दोनों राज्यों की पुलिस सोनीपत क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, कांवड़ियों की सुरक्षित आवाजाही और स्वतंत्रता दिवस के महेनजर सुरक्षा व्यवस्था पर विचारों पर चर्चा की। बैठक में दिल्ली-हरियाणा सीमा पर सक्रिय अंतरराज्यीय अपराधियों, गैंग और अस्वामिजिक तत्वों की जानकारी साझा करने तथा संयुक्त कार्रवाई पर सहमति बनी। आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से जुड़ी सूचनाओं के तत्काल आदान-प्रदान पर भी जोर दिया गया। बॉर्डर पर संयुक्त नाके और सीसीटीवी निगरानी दोनों राज्यों की पुलिस सीमा पर संयुक्त दैक्कन नाके लगाएगी। अवैध मॉडिफिकेशन, काले शीशे, ट्रुटे या छिपे नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सड़िगंज वाहनों की निगरानी के लिए एचएसआरपी एजेंसियों का डेटाबेस तैयार किया जाएगा। सीमा पर लगे चालू और बंद सीसीटीवी कैमरों की मैपिंग भी की जाएगी। कांवड़ शिविरों और संवेदनशील इलाकों की जांच कांवड़ मार्गों पर बने शिविरों की जांच की जाएगी और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। मांस और शराब की दुकानों समेत संवेदनशील प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कानूनी नियमों के पालन और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया गया। आपत्तिजनक पोस्टर या भड़काऊ सामग्री मिलने पर दस्तावेजीकरण के बाद तत्काल हटाने की कार्रवाई होगी। इसके अलावा साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, ट्रैफिक प्रबंधन, सार्वजनिक सभाओं, प्रदर्शन और अन्य अंतरराज्यीय कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में भी दोनों पुलिस बलों के बीच बेहतर समन्वय बनाने का फैसला लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा और स्वतंत्रता दिवस के दौरान सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित माहौल सुनिश्चित करने के लिए लगातार सूचना साझा करने और संयुक्त कार्रवाई का भरोसा दिया।

अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन पर मिला 8 साल का बच्चा, पुलिस टीम ने परिवार से मिलाया



एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की मेट्रो यूनिट ने ऑपरेशन मिलाप के तहत अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन पर लावारिस हालत में मिले 8 वर्षीय बच्चे को सुरक्षित उसके परिवार से मिला दिया। बच्चा खेलते-खेलते घर से निकल गया था और अनजाने में मेट्रो ट्रेन में सवार होकर अक्षरधाम पहुंच गया था। मेट्रो डीसीपी डॉ. आनंद दाभी ने बताया कि 27 जुलाई को गश्त के दौरान एसएसआई राजवीर सिंह और एसएसआई अरुण की नजर स्टेशन पर परेशान हालत में घूम रहे बच्चे पर पड़ी। पुलिसकर्मियों ने बच्चे को भरोसे में लिया और उसे खाना-पीना देकर शांत कराया। बातचीत में बच्चे ने बताया कि वह उत्तम नगर में रहता है और उसके पिता का नाम फिरोज है। बच्चे के परिवार को तलाशने के लिए डीसीपी मेट्रो के निर्देश पर इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, एसएचओ यमुना डिवीज मेट्रो, एसएसआई राजवीर सिंह और एसएसआई अरुण कुमार की टीम बनाई गई। पुलिस टीम बच्चे को उत्तम नगर लेकर पहुंची, लेकिन वह अपना घर नहीं बता पा रहा था। इसके बाद टीम ने रिकशा चालकों, दुकानदारों और राहगीरों से पूछताछ शुरू की। काफी तलाश के बाद टीम सहयोगी विहार पहुंची, जहां एक दुकानदार ने बच्चे को पहचान लिया। दुकानदार ने बताया कि बच्चा एफ-ब्लॉक स्थित किराये के मकान में अपने माता-पिता के साथ रहता है। पुलिस टीम तुरंत वहां पहुंची और बच्चे के पिता फिरोज को खोज निकाला। फिरोज ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा खेलते समय लापता हो गया था और वह उसकी तलाश कर रहा था। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बच्चे को सुरक्षित उसके पिता को सौंप दिया गया। बच्चे की सकुशल पाकर परिवार ने दिल्ली पुलिस की टीम का आभार जताया।

दिल्ली में सर्कुलर इकोनॉमी को नई उड़ान: सीएम रेखा गुप्ता ने किया पुराने कपड़ों के दान केंद्र 'अर्पण' का उद्घाटन



नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को अधिक स्वच्छ, हरित और सतत बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक अभिनव पहल की शुरूआत की है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर पुराने कपड़ों के विशेष दान केंद्र 'अर्पण' का औपचारिक उद्घाटन किया। यह पहल राजधानी में वैज्ञानिक तरीके से वेस्ट मैनेजमेंट और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

दिल्ली की मंडियों का होगा कार्याकल्प, सीएम रेखा गुप्ता ने विकास परियोजनाओं की समीक्षा की

गाजीपुर में 193 करोड़ की आधुनिक पोल्ट्री मार्केट दिसंबर तक होगी तैयार, 85% काम पूरा

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली की कृषि मंडियों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की दिशा में सरकार ने काम तेज कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को गाजीपुर, नरेला और आईएफसी गाजीपुर की मंडियों में चल रही और प्रस्तावित विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि मंडियां किसानों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। बदलती जरूरतों के अनुसार इन मंडियों में आधुनिक सुविधाएं और बेहतर बुनियादी ढांचा विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है। गाजीपुर में 193 करोड़ की आधुनिक पोल्ट्री



मार्केट करीब 15 एकड़ में विकसित की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक परियोजना का करीब 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और इसे 31 दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। यहां 100 थोक व्यापारियों के लिए दुकानें और 120 प्रोसेसिंग यूनिट बनाई जाएंगी। वहीं, गाजीपुर फल-सब्जी एवं फूल मंडी में जलभराव की समस्या दूर करने के लिए 200 मीटर लंबी बाईपास ड्रेनेज पाइपलाइन का काम चल रहा है। इस

परियोजना की लागत करीब 17 लाख रुपये है। नरेला अनाज मंडी में करीब 11 करोड़ की लागत से दो नए स्टील शेड बनाए जाएंगे। इन्हें जुलाई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इसके अलावा आईएफसी गाजीपुर में आधुनिक फूल मंडी विकसित करने की भी योजना है। परियोजना को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी विकास कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए और कहा कि मंडियों के आधुनिकीकरण से किसानों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं सभी को लाभ मिलेगा।

स्ट्रोक, कमर दर्द, स्पोर्ट्स इंजरी और सर्जरी के बाद रिकवरी में मरीजों को मिलेगा आधुनिक उपचार का लाभ

एजेंसी नई दिल्ली। अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान (एबीवी आई एमएस) एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल ने फिजियोथेरेपी सेवाओं को नई ऊंचाई देते हुए अत्याधुनिक हार्ड-इंटेसिटी फोकस्ड इलेक्ट्रो मैग्नेटिक (एचआईएफएम) थैरेपी सिस्टम की शुरूआत की है। यह आधुनिक तकनीक बिना किसी ऑपरेशन या दर्द के गहरी मांसपेशियों को सक्रिय कर उनकी ताकत बढ़ाने, न्यूरोमस्क्यूलर नियंत्रण बेहतर करने और मरीजों की कार्यक्षमता में सुधार करने में मदद करेगी। अस्पताल के निदेशक डॉ. अखिलेश्वरी प्रसाद ने इस प्रणाली का उद्घाटन किया।



सर्जरी के बाद पुनर्वास, खेल संबंधी चोटों, घुटने की समस्याओं, उम्र के साथ मांसपेशियों की कमजोरी और पेल्विक फ्लोर डिस्फंक्शन जैसे मामलों में प्रभावी साबित होगी। यह तकनीक पारंपरिक इलेक्ट्रिकल स्टिम्युलेशन की तुलना में अधिक आरामदायक है और गहरी मांसपेशियों को प्रभावी ढंग से सक्रिय करती है। निदेशक डॉ. अखिलेश्वरी प्रसाद ने कहा कि एचआईएफएम सिस्टम की स्थापना अस्पताल की साक्ष्य-आधारित और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। वहीं, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विवेक देवान और

प्राचार्य डॉ. हिमांशु महापात्रा ने कहा कि इस तकनीक से फिजियोथेरेपी उपचार की गुणवत्ता और मरीजों के उपचार परिणामों में उल्लेखनीय सुधार होगा। फिजियोथेरेपी विभागध्यक्ष डॉ. पूजा सेठी ने बताया कि एचआईएफएम सिस्टम पारंपरिक फिजियोथेरेपी का प्रभावी पूरक है और इससे मरीजों की मांसपेशियों की शक्ति, कार्यात्मक स्वतंत्रता तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। कार्यक्रम के अंत में एचआईएफएम थैरेपी सिस्टम का लाइव प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें इसके विभिन्न चिकित्सीय उपयोगों का प्रदर्शन किया गया।

ऑनलाइन गोद लेने का झांसा, मासूम ख्वाहिशों पर करोड़ों के सपनों का खेल

दिल्ली पुलिस ने बेनकाब किया इंटरस्टेट ठग गिरोह

एजेंसी नई दिल्ली। मां बनने की चाहत को ठगी का हथियार बनाने वाले एक शातिर अंतरराज्यीय गिरोह का दिल्ली पुलिस की साइबर थाना नॉर्थ टीम ने पदाफाश कर दिया। बच्चे को गोद दिलाने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये छेड़ने वाले दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश के बरेली से गिरफ्तार किया गया। इस गिरोह ने एक महिला से 1.37 लाख रुपये की ठगी की थी। हैरानी का बात यह है कि गिरोह में शामिल एक फिजियोथेरेपिस्ट फर्जी एनजीओ रसीदें, नकली अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट और अस्पतालों के जाली दस्तावेज तैयार कर पूरे फर्जी गोद लेने के खेल को असली साबित करता था। नॉर्थ जिले के डीसीपी राजा बाटिया ने बताया कि पीड़िता



ने इंटरनेट पर चाइल्ड एडॉप्शन की जानकारी खोजते समय एक मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। खुद को सचिन अग्रवाल बताने वाले आरोपी ने बच्चे को कानूनी तरीके से गोद दिलाने का भरोसा दिया और रजिस्ट्रेशन, बुकिंग, ट्रान्सपोर्ट और अन्य शुल्क के नाम पर किस्तों में 1.37 लाख रुपये वसूल लिए।

भरोसा जीतने के लिए फर्जी एनजीओ रसीदें और मेडिकल दस्तावेज भेजे गए, लेकिन रकम मिलने के बाद आरोपी फरार हो गया। मामले की जांच के लिए एसआई अरविंद यादव के नेतृत्व में एचसी हिमांशु, एचसी रवि और एचसी भरत (सीडीआर सेक्शन, ऑपरेशन सेल) की टीम बनाई



गई। इंस्पेक्टर रोहित गहलोत अग्रवाल (46) और उसके साथी राकेश कुमार उर्फ डॉ. आर.के. (52) को दबोच लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी ऑनलाइन खुद को चाइल्ड एडॉप्शन संस्था का प्रतिनिधि बताकर लोगों को फंसाता था। जब भी कोई सबूत मांगता, उसका

कई स्थानों पर दबिश देकर 31 जुलाई को मुख्य आरोपी सचिन अग्रवाल (46) और उसके साथी राकेश कुमार उर्फ डॉ. आर.के. (52) को दबोच लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी ऑनलाइन खुद को चाइल्ड एडॉप्शन संस्था का प्रतिनिधि बताकर लोगों को फंसाता था। जब भी कोई सबूत मांगता, उसका

साथी राकेश कुमार, जो पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट है, फर्जी एनजीओ रसीदें, नकली मेडिकल रिपोर्ट और अस्पतालों की जाली मुहरें उपलब्ध कराता था। तय तरीख पर बच्चे की डिलीवरी का झांसा देकर आखिरी बार ट्रान्सपोर्ट चार्ज लिया जाता और फिर आरोपी मोबाइल बंद कर गायब हो जाते। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, एक बैंक पासबुक, छह डेबिट कार्ड, दो पैर कार्ड तथा अस्पतालों और डॉक्टरों की 14 जाली मुहरें बरामद की हैं। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी पहले भी ठगी के एक मामले में शामिल रह चुका है। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।



प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार...

कुछ किरदार सिर्फ पद पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डोंग के नाम पर 'परिदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।

रिफ्ट पढ़ते ही प्रीति के किरदार से हो गया था प्यार

महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की रिफ्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार रिफ्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रेवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटीलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'

इस किरदार ने मुझे खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया

महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला.. 'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूँ। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच

जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्वोरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया।'

इंटीमेट सीन से नहीं, डायरेक्टर के नजरिए से फर्क पड़ता है

ओटीटी पर इंटीमेट सीन्स को लेकर चल रही बहस पर भी महिमा अपनी बात बेबाकी से रखती हैं 'मेरे पास ऐसे ऑफर्स आए हैं, जिनमें मैं सहज नहीं थी। लेकिन मैंने हमेशा खुद से पूछा कि क्या यह सीन कहानी के लिए जरूरी है? क्या इससे कहानी आगे बढ़ती है? अगर जवाब हां है, तभी मैं उसका हिस्सा बनना चाहूंगी। मेरे लिए रिफ्ट से ज्यादा जरूरी डायरेक्टर का नजरिया है। हर फैसला आसान नहीं होता, लेकिन वही करना चाहिए, जिसमें आप सहज हों।'

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूँ प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखती 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होती। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर मैं मैं अपने इंस्टिक्ट की सुनती हूँ। मेरी व्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूँ, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे इमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'

अच्छे लोगों के साथ काम करो, हार्डी संधू की इस सलाह ने बदला रेवती महुकर का नजरिया

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू ने सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया।

रेवती ने बताया कि 'तेवर' म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं। रेवती महुकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, 'शूट के बीच में हार्डी ने कहा, 'अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो।' हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना', इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।'

उन्होंने कहा, 'हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है। अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था।' रेवती ने टीम के

व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, 'सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूँ। मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।'

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, 'वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से 'तेवर' का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। ये अब तक का मेरा सबसे पसंदीदा काम है। जब भी मैं वो वीडियो देखती हूँ तो मुझे गर्व महसूस होता है।' रेवती ने शूटिंग के आखिरी दिन की एक बहुत प्यारी याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि शूट 48 घंटे तक लगातार चला था। इतनी लंबी शूट के बाद भी टीम में एक अलग ही एनर्जी थी।

रेवती ने याद करते हुए कहा, '48 घंटे नॉन-स्टॉप शूट करने के बाद हम सब बहुत थक गए थे, लेकिन जब पैकअप हुआ तो हार्डी ने कहा रुको, अभी नहीं। फिर हार्डी, हमारे कोरियोग्राफर, मेरे मैनेजर और मैं हम चारों ने फैसला किया कि हम थोड़ी देर और साथ बैठेंगे। हमें सुबह मुंबई की फ्लाइट पकड़नी थी, लेकिन उससे पहले तक हम सब साथ रहे। हमने खूब बातें की, खाना खाया, म्यूजिक सुना और हंसे। उस रात जो बॉन्ड बना वो आज तक है। ये दिखाता है कि अगर टीम अच्छी हो तो काम बोझ नहीं लगता।' अब बात करते हैं हार्डी संधू के आने वाले प्रोजेक्ट की। हार्डी जल्द ही पंजाबी फिल्म 'रांझेया' में लीड रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म एक लव स्टोरी है। इस फिल्म में उनके साथ सिमरत कौर धंधावा और अंगद बेदी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।



आदित्य चोपड़ा और शाहरुख खान के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मैंने जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'

करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूँ। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने

कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'

करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं रिफ्टजरलैंड की पहाड़ों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तु डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म में करूंगा। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।'

करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी। करण ने लिखा, 'मेरे पिता को भी शाहरुख की बात पर यकीन नहीं था लेकिन शाहरुख खान अपनी बात को लेकर पूरी तरह गंभीर थे। मैं आदित्य और शाहरुख खान से बहुत प्यार करता हूँ। आज मैं अपनी खुशियों और मुश्किलों, अपनी जीत और हार के साथ जो भी हूँ, वह सिर्फ आप दोनों की वजह से हूँ। उन्होंने आगे लिखा, 'आज मैं कहानियां सुना पा रहा हूँ, तो इसके पीछे सिर्फ आप दोनों का विश्वास और साथ है। गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं और उन सभी गुरुओं को भी सलाम, जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के दूसरों को आगे बढ़ाया और उनके करियर बनाने में मदद की।'



अफेयर की अटकलों के बीच शहनाज ने राघव जुयाल पर कही बड़ी बात

इन दिनों राघव जुयाल फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' की वजह से चर्चा में हैं। वहीं शहनाज गिल भी पंजाबी और बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय हैं। इन दोनों कलाकारों के बीच इश्क पनप रहा है, ऐसी अटकलें लग रही हैं। हाल ही में अपने रिश्ते को लेकर शहनाज गिल खुलकर बोली हैं। जानिए, उन्होंने राघव को लेकर क्या कहा?

शहनाज गिल ने राघव को बताया अपना सहारा

शहनाज गिल ने अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई बातें साझा की हैं। इस दौरान जब उनसे राघव जुयाल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'वो मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। मुंबई में मेरा एक ही सहारा है, वो है राघव। वह मुंबई में मेरे लिए मम्मी-पापा की तरह है। अगर मुझे कुछ हो जाता है तो वो ही मुझे हॉस्पिटल लेकर जाएगा।' शहनाज आगे कहती हैं, 'राघव ने ही मुझे एक्टिंग लाइन में आगे जाने के लिए मोटिवेट किया। वैसे आप देख लेना राघव जुयाल एक दिन शाहरुख खान बनेगा।'

राघव ने भी रखा था अपना पक्ष

राघव जुयाल ने भी शहनाज के बारे में बहुत कुछ कहा था। वह कहते हैं, 'देखिए पर्सेल लॉफ़ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होंगी। लेकिन हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त हैं। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूँ। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूँ और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। यह तो तय है।' कब उड़ी थी डेटिंग की अफवाहें राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जग पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था। हाल ही में दोनों का बर्थ डे पार्टी में साथ दिखे। यहां पर जिस तरह से राघव ने शहनाज का ख्याल रखा, उसे देखकर फैंस को लगा कि इनके बीच जरूर कोई खिचड़ी पक रही है। लेकिन राघव और शहनाज एक-दूसरे को बस अच्छा दोस्त बताते हैं।



आमिर-शाहरुख के विज्ञापन से 'महारानी' तक, हुमा कुरैशी ऐसे बनीं बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेस

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। यहां तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं था। कभी वह दिल्ली में थिएटर करती थीं। उन्होंने शुरुआत विज्ञापनों से की और एक समय ऐसा भी आया, जब वह आमिर खान और शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर करने लगीं। यही सफर आगे चलकर उन्हें 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' तक ले आया और फिर 'महारानी' से नई ऊंचाई तक पहुंचा दिया। हुमा का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के गागी कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दिनों में ही उनका वुडकाव एक्टिंग की तरफ बढ़ा और उन्होंने थिएटर ग्रुप 'एन्ट 1' के साथ काम करना शुरू किया। उन्होंने थिएटर के दौरान अभिनय की बारीकियां सीखीं और यहीं से उनके अंदर एक्ट्रेस बनने का सपना मजबूत हुआ। साल 2008 में हुमा सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई पहुंचीं। शुरुआत में उन्हें फिल्मों में काम नहीं मिला, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने विज्ञापनों में काम करना शुरू किया। इसी दौरान वह कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में नजर आईं। उन्होंने आमिर खान के साथ मोबाइल और शाहरुख खान के साथ एक पेट ब्रांड के विज्ञापन में काम किया। इन विज्ञापनों ने पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग को लोगों ने नोटिस किया। हुमा की किस्मत तब बदली जब एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान निर्देशक अनुराग कश्यप की नजर उन पर पड़ी।

अनुराग कश्यप ने उनकी एक्टिंग देखकर अपनी फिल्म में मौका देने का फैसला किया। इसके बाद साल 2012 में हुमा ने फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उन्होंने मोहसीना हमीद का किरदार निभाया था। छोटे शहर की लड़की के किरदार में हुमा ने ऐसी जान डाली कि दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने उनकी तारीफ की। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के बाद हुमा के करियर ने तेजी पकड़ ली। उन्हें इस फिल्म के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट फीमेल डेब्यू और बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस कैटेगरी में नामांकन मिला। इसके बाद उन्होंने 'लव शव ते विकन खुराना', 'एक थी डायन', 'डेड इश्किया', 'बदलापुर' और 'जॉली एलएलबी 2' जैसी फिल्मों में काम किया। हर फिल्म में उन्होंने अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। हुमा ने सिर्फ हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने मराठी फिल्म 'हाइवे', तमिल फिल्म 'काला' और 'वलिमाई' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। साल 2021 में उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' से इंटरनेशनल सिनेमा में भी कदम रखा। अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्री में काम करके उन्होंने खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में साबित किया।

